04 - निजी मोबाईल कंपनियों को छूट

05 - रिश्तो का बहुआयामी स्वरूप, कुछ ऐसा भी...

06- शहर में सुचारू रूप से संचालित हो ट्रेफिक : हेमंत खंडेलवाल

07- भगवान जगन्नाथ रथारुढ़ होकर भक्तों को दर्शन देने निकले, तो...

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 10 जुलाई, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 260, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

बिहार के गिरते पुलः नीतीश राज के मलबे में बदलने का अफसाना है

अपूर्वानंद

18 वीं लोक सभा के चुनाव के नतीजों के बाद से अब तक बिहार में अलग-अलग जगहों पर एक के बाद एक 10 पुल गिर चुके हैं। यह किसी एक हिस्से में नहीं, पूरे बिहार में हुआ। किशनगंज, अररिया, मधुबनी, पूर्वी चंपारण, सीवान और सारण में एक के बाद एक 10 पुल ढह गए। एक दिन में 5 पुल ध्वस्त हुए। बारिश शुरू होते ही इतनी बड़ी संख्या में पुलों के गिरने पर भी बिहार में शासक गठबंधन से मीडिया या जनता सवाल कर रही हो, इसका कोई प्रमाण नहीं। क्रोध से ज़्यादा विनोद का भाव दिखलाई पड़ता है।

पुलों ने गर्मी के मारे नदी में डुबकी लगाई, नीतीश कुमार की मौक़ापरस्ती के चलते पुल डूब मरे, जैसा हँसी मज़ाक़ आप सोशल मीडिया पर देख सकते हैं। लोग नदी तैरकर पार कर रहे हैं लेकिन पुल से होकर नहीं। इस तरह के कार्टून भी आप देख सकते हैं। लेकिन कोई सार्वजनिक क्रोध कहीं नज़र नहीं आता। कोई चाहे तो कह सकता है कि आख़िर ये चुटकुले और कार्टून भी क्रोध की ही अभिव्यक्ति हैं। उस असहाय क्रोध के जो पिछले दशकों में बिहार का सामाजिक स्वभाव बन गया लगता है।

शासक गठबंधन के सदस्य दल के नेता और अपने दल में सिर्फ़ अपनी सीट जीत कर केंद्रीय मंत्री बने जीतनराम माँझी ने कहा कि इतनी बारिश ही हो रही है कि पुल ढह गए। ऐसा बयान देते समय बुज़ुर्गवार को अपने जीवन की बाक़ी बरसातें याद न आईं। बहुत बारिश होने पर पुल का गिरना ही स्वाभाविक है! राज्य सरकार के निर्माण विभाग के मंत्री ने ज़िम्मेदारी लेने से इनकार करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को इसकी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए क्योंकि वे पिछली सरकार में डेढ़ साल तक पथ परिवहन मंत्री थे। उन्होंने पुलों की देखभाल का इंतज़ाम नहीं किया।

मज़ेदार बात यह है कि यह नीतीश कुमार की ही सरकार थी जिसके मंत्री तेजस्वी यादव पर आज की उनकी आज की सरकार के मंत्री आरोप लगा रहे हैं। लेकिन नीतीश कुमार इसकी ज़िम्मेवारी से मुक्त हैं। बिहार में कुछ भी गड़बड़ होने पर पिछली सरकार पर आरोप लगता है। जिस पर आरोप लगता है वह भी नीतीश कुमार की सरकार होती और जिस समय आरोप लगता है, वह भी नीतीश कुमार की ही सरकार का समय होता है। बाहर के किसी भी पर्यवेक्षक के लिए यह समझना कठिन है कि पिछले 15 साल से एक ही मुख्यमंत्री एक-दूसरे की विरोधी पार्टियों के साथ मिलकर बदल बदल कर सरकार कैसे चला रहा है और कैसे बिहार की जनता इसे न सिर्फ़ सहन कर रही है बल्कि इसका बुरा मानती भी नहीं दीखती।

यह बिल्कुल संयोग है लेकिन काफी प्रतीकात्मक भी है। बिहार में यह एक तरह से उस नीतीश कुमार के युग की समाप्ति का संकेत है, जिन्हें सड़कों और पुलों के निर्माण के कारण ही बिहार का विकास पुरुष कहा जाता था। लेकिन पुलों के इस तरह ढहने से इस विकास की पोल भी खुल जाती है। पहले भी लोगों ने ध्यान दिलाया था और पत्रकार नील माधव ने मुझसे कहा कि निर्माण का मतलब भारत में भ्रष्टाचार ही होगा, यह आम समझ है। दबे ढँके लोग कहते रहे थे और बाद में खुल कर भी कि लालू यादव के शासन काल को भ्रष्टाचार का पर्याय मान लिया गया है लेकिन नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री होते हुए भ्रष्टाचार ने नई-नई ऊँचाइयाँ छुईं। मज़ेदार यह है कि मीडिया ने कभी इसे मुद्दा बनाना ज़रूरी नहीं समझा और इसकी कोई पड़ताल भी नहीं की। नीतीश के राज में कोई काम बिना रिश्वत के नहीं होता और पुलिस और नौकरशाहों की पौ बारह है, यह आम बातचीत में आप सुन सकते थे। जैसे यह खुला राज है कि शराबबंदी के बाद बिहार में शराब पर एक समानान्तर अर्थव्यवस्था खड़ी हो गई है और लोगों का कहना है कि अब शराब आपूर्ति में पुलिस प्रमुख माध्यम है। यह अर्थव्यवस्था गाँवों के नौजवानों को बर्बाद कर रही है। अब जाकर यह समझ में आता है कि लालू यादव के भ्रष्टाचार का विरोध जितना भ्रष्टाचार से विरक्ति के कारण नहीं, उतना इस कारण था कि वह लालू यादव के नेतृत्व में कैसे हो सकता है। लालू यादव को भ्रष्टाचार और नीतीश कुमार को विकास का चेहरा बनाने में मीडिया की अहम भूमिका थी। बल्कि नीतीश के शासन में आते ही मीडिया ने तय कर लिया था कि वह सरकार के प्रचारक का काम करेगा, आलोचना जैसा नकारात्मक काम नहीं। किसी ने यह न पूछा कि नीतीश कुमार के शासन काल में बिहार में शिक्षा का क्या हश्र हुआ। 2018-19 में बिहार में हर बच्ची पर 5000 से भी कम रुपए खर्च किए जा रहे थे जबकि केरल में यह खर्चा एक बच्ची पर 24 हजार रुपया था। उसी तरह यह सवाल न किया गया कि बिहार में प्राथमिक से लेकर विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा में क्या हो रहा था। नीतीश कुमार के शासन काल में बिहार की स्कूली और उच्च शिक्षा इन पुलों की तरह ही ध्वस्त हुई लेकिन उसका कोई दृश्य नहीं बन सका जैसे पुलों के ढहने का बन सकता था।

पत्रकार नील माधव ने ठीक ही कहा कि शायद अपनी अंतिम पारी में नीतीश कुमार की असलियत ज़ाहिर हो गई है। वे आख़िरकार जातिगत राजनीति के कारण ही प्रासंगिक हैं, विकास के चलते नहीं। यह भी साफ़ हो गया है कि राजनीति और शासन के बीच इतना सीधा रिश्ता भी नहीं है। नीतीश अति पिछड़ों के नेता होने के कारण उपयोगी हैं, इसलिए नहीं कि उनके शासनकाल में बिहार ने कोई ख़ास तरक्की की है।

धीरे पूरा बिहार ढहता गया है। भागलपुर, मुजफ्फरपुर, छपरा, दरभंगा जैसे शहर ढह चुके हैं। बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय की चमक की कौंध में जर्जर पटना विश्वविद्यालय की सुध कौन लेगा? नए संग्रहालय की सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर की भव्यता से स्तब्ध दर्शक कहाँ जान सकेंगे कि पटना में अब गोष्ठियों के लिए हॉल नहीं बचे। बिहार के धीरे-धीरे एक मलबे में बदलते जाने की कहानी इतनी उदास और पीड़ादायी है कि लोग हँसी मजाक करके उस दर्द को छिपा लेते हैं। लेकिन है यह कहानी नीतीश के नेतृत्व में बिहार के पतन की ही।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

उसने नरेश सक्सेना से
कहा, तुम्हारे नाम पर
फ्राड चल रहा है
जांच की जा रही है
घर से मत निकलना,
जो पूछा जाय
उसका सही जवाब देना
भले आदमी लगते हो,
जल्द ही तुम्हें
मुक्त कर दिया जाएगा
तुम कवि भी हो,
चलो कविता सुनाओ
आजकल ठगों को भी
कविताएं अच्छी लगती हैं
जिन्हें कविताएं बहुत
अच्छी लगती हैं
उनमें भी कुछ ठग हो सकते हैं।

- सुभाष राय

जंग से शांति का रास्ता नहीं समाधान के लिए वार्ता जरूरी

राष्ट्रपति पुतिन के साथ शिखर वार्ता के दौरान बोले पीएम मोदी

रूसी राष्ट्रपति पुतिन बोले-आपकी कोशिशों का सम्मान करते हैं

मास्को (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता में हिस्सा लिया। इस दौरान पुतिन ने कहा, आप यूक्रेन संकट का जो हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं हम उसके लिए आपके आभारी हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- एक मित्र के तौर पर मैंने हमेशा कहा कि युद्ध के मैदानों से शांति का रास्ता नहीं निकलता है।

बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति संभव नहीं होती है। पीएम मोदी ने कहा-पिछले 40-50 साल से भारत आतंकवाद का सामना कर रहा है। इसलिए मॉस्को में हुए आतंकी हमले का दर्द समझ सकता हूं। मैं हर तरह के आतंकवाद की

कड़ी निंदा करता हूं। शांति की बहाली में भारत हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार है।

शांति के लिए मेरे मित्र पुतिन की बातों को सुनकर मुझे बहुत खुशी है। मैं विश्व समुदाय को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत शांति का पक्षधर है। चाहे युद्ध हो, संघर्ष हो, आतंकवादी हमले हों, जब जान का नुकसान होता है तो मानवता में विश्वास रखने वाले हर व्यक्ति को दुख होता है।

● हमारे त्योहारों को रूसी दोस्त भी मनाते हैं

मोदी ने कहा- पिछले महीने इंटरनेशनल योग दिवस पर रूस में हजारों लोगों ने पार्टिसिपेट किया। हमारे त्योहारों को रूसी दोस्त भी मनाते हैं। ये पीपल टु पीपल कनेक्ट सरकार के दायरे से काफी ऊपर होता है। पीएम मोदी ने कहा- मैं अपने मित्र पुतिन की सराहना करूंगा। उन्होंने बीते सालों में दोनों देशों के रिश्तों के लिए जो काम किया है, उसकी सराहना करता हूं। हमारी मुलाकात 17 बार हुई है। जब हमारे स्टूडेंट संघर्ष में फंसे तो पुतिन ने उन्हें देश लौटाने में मदद की। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। हमारे नौजवान बड़ी संख्या में आते हैं।

● सिर पर लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी

रूस भारत का भरोसेमंद दोस्त है। हमारे रूसी दोस्त इसे दुधवा कहते हैं, हम इसे दोस्ती कहते हैं। रूस में सर्दी के मौसम में टेंपरेचर कितना भी माइनस में चला जाए दोनों देशों की दोस्ती गर्मजोशी के चलते प्लस में रही है। हमारा रिश्ता म्युचल रिस्पेक्ट पर टिका है। घर-घर में गाना गाया जाता है- सिर पर लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी।

शहीद अंशुमान की मां राहुल से बोलीं-अग्निवीर बंद हो

● 3 दिन पहले कीर्ति चक्र मिला, राहुल ने रायबरेली के हनुमान मंदिर में की पूजा

रायबरेली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली में कीर्ति चक्र से सम्मानित कैप्टन अंशुमान सिंह के माता-पिता से मुलाकात की। मंगलवार को भुए मऊ गेस्ट हाउस में उनके साथ चाय पी। राहुल ने कहा कि हम आपके साथ खड़े हैं। करीब 40 मिनट तक शहीद के परिवार से बात की।

राहुल से मिलने के बाद शहीद कैप्टन की मां मंजू ने कहा- अग्निवीर योजना बंद होनी चाहिए। यह योजना सैनिकों के लिए सम्मानजनक नहीं है। इसको लेकर राहुल ने पॉजीटिव रिस्पॉन्स दिया। उम्मीद है कि जब वो सत्ता में आएंगे, तो इस पर विचार करेंगे। 3 दिन पहले शहीद की पत्नी स्मृति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कीर्ति चक्र मिला था। मंगलवार सुबह 10 बजे राहुल लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरे। सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे। रास्ते में रुककर हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर में 15-20 मिनट तक रुके। राहुल ने वोटिंग के दिन भी इसी मंदिर में पूजा की थी। 5 दिन में राहुल का यह दूसरा यूपी दौरा है। 3 जुलाई को राहुल हाथरस गए थे।

हाथरस हादसे के बाद ढोंगी संतों को ब्लैक लिस्ट करने की तैयारी

20 बाबाओं पर अब कसेगा शिकंजा, 13 अखाड़ों में बनी सहमति

लखनऊ (एजेंसी)। हाथरस कांड को लेकर एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में 100 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इस रिपोर्ट में सत्संग कमेटी के साथ ही प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं। इस रिपोर्ट के बाद योगी सरकार ने एडीएम, सीओ और तहसीलदार समेत 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नारायण साकार हरि उर्फ

भोले बाबा समेत 20 ढोंगी संतों को ब्लैक लिस्ट करने की भी तैयारी की जा रही है। इसके लिए 13 अखाड़ों के बीच सहमति भी बन गई है। जानकारी के मुताबिक ढोंगी बाबाओं को बैन करने के लिए 18 जुलाई को होने वाली कुंभ मेला प्रशासन के साथ अखाड़ा परिषद की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव रखा जा सकता है। इस बैठक में अखाड़ा परिषद ऐसे स्वयंभू बाबाओं को मेले में बसने के लिए जमीन और सुविधाएं ना दिए जाने को लेकर भी अपनी बात रखेंगे। इस बैठक में हाथरस कांड के नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा, बाबा राम रहीम और सेक्स सीडी कांड में फंसने के बाद दक्षिणी अमेरिका के इक्वाडोर में अलग देश बसाने का दावा करने वाले स्वामी नित्यानंद समेत 20 बाबा शामिल हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी की ओर से हाल ही में इस संबंध में एक बयान भी सामने आया था। उन्होंने कहा कि जनता को गुमराज करने वाले बाबाओं की एक सूची बनाई गई है।

इंदौर में बारिश, भोपाल समेत कई जिलों में धूप-उमस

एमपी के छिंदवाड़ा, शिवपुरी समेत 18 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से इन दिनों बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इंदौर के कुछ इलाकों में दोपहर बाद करीब 3 बजे तेज बारिश हुई। वहीं, भोपाल-सागर समेत कई जिलों में धूप खिलने से उमस महसूस हो रही है।

ग्वालियर में शाम करीब साढ़े 4 बजे रिमझिम पानी बरसा। मौसम विभाग ने मंगलवार को श्योपुर, छिंदवाड़ा, शिवपुरी समेत 18 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि पिछले 48 घंटे में प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। नार्थ-ईस्ट और साउथ राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। वहीं, मानसून ट्रफ और नीचे आई है। यह प्रदेश में रायसेन, मंडला होते हुए गुजर रही है। इन सिस्टम की वजह से पूरे प्रदेश में तेज बारिश हो रही है। यह दौर अगले एक सप्ताह तक बना रहेगा।

बैतूल में 1.7 इंच बारिश, खजुराहो में सवा इंच पानी गिरा

मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। सोमवार को भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। बैतूल में सबसे ज्यादा 42 मिमी यानी, 1.7 इंच पानी गिर गया। खजुराहो में सवा इंच बारिश हुई। भोपाल में भी तेज बारिश का दौर चला। बालाघाट के मलाजखंड, नर्मदापुरम, इंदौर, खंडवा, खरगोन, नर्मदापुरम के पचमढ़ी और उज्जैन में भी बारिश दर्ज की गई।

मप्र में 9वीं में प्रवेश के लिए आयु में छूट

15 हजार से अधिक बच्चों को मिलेगा स्कूलों में प्रवेश

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग ने 9वीं में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु (13 वर्ष) के बंधन में छूट दे दी है। अब 13 साल से दो-पांच महीने कम उम्र होने पर भी 9वीं में प्रवेश मिल जाएगा। इसका लाभ प्रदेश में 15 हजार से अधिक बच्चों को मिलने की उम्मीद है। बता दें कि 8वीं उत्तीर्ण कर चुके 13 साल से कम उम्र के बच्चों को 9वीं में प्रवेश नहीं दिया जा रहा था और न ही हाईस्कूल-हायर सेकंडरी परीक्षा के लिए उनके नामांकन कराए जा रहे थे। स्कूल में प्रवेश के लिए 6 वर्ष आयु सीमा तय है। इसका पालन कराने का जिम्मा राज्य शिक्षा केंद्र पर है, पर देखने में आया है कि राज्य शिक्षा केंद्र नियम का पालन नहीं करा पा रहा है, जिस कारण 12 वर्ष और कुछ माह में विद्यार्थी 8वीं उत्तीर्ण कर तो लेता है, पर उसे 9वीं में प्रवेश नहीं दिया जाता। क्योंकि लोक शिक्षण संचालनालय के इस नियम को मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस वर्ष से अपने प्रवेश नियमों में शामिल कर लिया है। 12 जुलाई प्रवेश की अंतिम तारीख है। ऐसे में जिलों से लगातार मांग उठ रही थी कि 9वीं में प्रवेश के लिए आयु सीमा के बंधन को शिथिल किया जाए। उल्लेखनीय है कि ऐसे बच्चे सबसे ज्यादा सरकारी स्कूलों में हैं।

मंत्री तक पहुंचा मामला

यह मामला जब स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह तक पहुंचा, तो मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद विभाग ने 9 वीं में प्रवेश का आयु सीमा बंधन 13 वर्ष को वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए शिथिल कर दिया है।

गौतम गंभीर बने टीम इंडिया के हेड कोच, द्रविड़ की जगह लेंगे, 2027 तक रहेगा कार्यकाल

मुंबई (एजेंसी)। गौतम गंभीर (बाएं) टीम इंडिया के हेड कोच की पोजिशन लेंगे। वह राहुल द्रविड़ (दाएं) की जगह लेंगे, जिनकी कोचिंग में भारत ने 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप जीता।

गौतम गंभीर (बाएं) टीम इंडिया के हेड कोच की पोजिशन लेंगे। वह राहुल द्रविड़ (दाएं) की जगह लेंगे, जिनकी कोचिंग में भारत ने 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप जीता। बीसीसीआई सेक्रेटरी

जय शाह ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। 42 साल के गंभीर ने द वॉल के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ की जगह ली है। द्रविड का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा।

गंभीर ने डेढ़ महीने पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल-2024 का चैंपियन बनाया था। वे इसी साल कोलकाता की फ्रेंचाइजी के मेंटर बने थे। इतना ही नहीं, गंभीर ने अपनी मेंटरशिप में लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार 2 सीजन के प्लेऑफ में पहुंचाया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यवतमाल के दीनदयाल प्रबोधिनी में रोपा पौधा

नागपुर में माँ जगदंबा मंदिर एवं कलम्ब में चिंतामणि गणेश के किए दर्शन

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाराष्ट्र के नागपुर में मंगलवार 9 जुलाई को माँ जगदंबा मंदिर कोराड़ी में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने चिंतामणि गणेश मंदिर में भी पूजा-अर्चना कर विघ्नहर्ता से देश और प्रदेशवासियों पर सर्वदा कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यवतमाल के कलम्ब में दीनदयाल प्रबोधिनी पहुंच कर पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने संस्थान के कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उपस्थित प्रबुद्ध जन के साथ पौधा रोपा।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5 °c | न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे
इंदौर ■ बुधवार, 10 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

आतंकियों ने रियासी हमले की थ्योरी कठुआ में दोहराई

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार को आतंकियों के हमले में जूनियर कमीशंड ऑफीसर समेत 5 जवान शहीद हो गए। हमले में घायल 5 जवानों को कठुआ के बिलावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से देर रात पठानकोट मिलिट्री हॉस्पिटल रेफर

किया गया है। सेना के सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षाबल दो ट्रकों में कठुआ से करीब 123 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार ब्लॉक के माछेड़ी इलाके के बडनोटा में दोपहर 3.30 बजे पहाड़ी इलाके में पेट्रोलिंग के लिए निकले थे। रास्ता कच्चा था, गाड़ी की रफ्तार भी धीमी थी। एक तरफ ऊंची पहाड़ी और दूसरी तरफ खाई थी।

स्पोर्ट्स स्टोर लॉन्च करने की तैयारी में रिलायंस रिटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी का रिलायंस रिटेल एक स्पोर्ट्स स्टोर लॉन्च करने की योजना बना रहा है। इसके जरिए कंपनी कोविड-19 के बाद तेजी से बढ़ते एथलीजर मार्केट में टार्गेट करेगी। इसके जरिए कंपनी फ्रांसीसी स्पोर्ट्स रिटेलर डेकाथलॉन को

टक्कर देगी। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी नए स्टोर के लिए बड़े शहरों के मॉल और रोड के किनारे 8 हजार से 10 हजार स्क्वायर फीट की जगह किराए पर लेने के लिए बातचीत कर रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से ऑफिशियल तौर पर इसके बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी है। रिलायंस ऐसी जगह की तलाश कर रही है जिसे मॉल के बाहर तक बढ़ाया जा सके।

मुंबई हिट एंड रन केस से जुड़ा पब हुआ सील

- मालिक ने किया चौंकाने वाला खुलासा, बड़ी कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के वर्ली में हुए बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन केस में राज्य सरकार की तरफ से बड़ी कार्रवाई की गई है। सरकार के आबकारी विभाग ने हिट एंड रन केस से जुड़े पब को सील कर दिया है। आबकारी विभाग ने जुहू स्थित

वाइस ग्लोबल तापस बार को सील कर किया है। हिट एंड रन केस की जांच में सामने आया था किआरोपी मिहिर शाह यहां पर आया था।दो दिन की जांच के बाद आबकारी विभाग के नियमों का उल्लंघन पाने के बाद पब के खिलाफ एक्शन लिया है। तो वहीं दूसरी तरफ इस मामले में पब मालिक ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पब मालिक ने दावा किया है कि हिट एंड रन के आरोपी ने शराब नहीं पी थी।

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में छज्जा गिरा, 3 गाड़ियां क्षतिग्रस्त

ओल्ड ट्रॉमा बिल्डिंग के पास की घटना; 2 दिन में दूसरी बार हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में इमरजेंसी की फॉल्स सीलिंग के बाद अब छज्जा गिरने का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे की है। तब पुरानी ट्रामा बिल्डिंग और ओल्ड ओपीडी ब्लाक के बीच स्थित एक छज्जा गिर गया। जिसमें 3 बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। जहां छज्जा गिरा है वहां लगातार लोगों की आवाजाही रहती है। हालांकि, घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई है। यह वह एरिया है जो कि पुरानी हमीदिया बिल्डिंग में आता है। लोगों का कहना है कि नीचे तीन गाड़ियां खड़ी थीं। अचानक बहुत तेज कुछ गिरने की आवाज आई। पलटकर देखा तो तीन गाड़ियों पर मलबा गिरा हुआ था। कुछ देर पहले की एक युवक वहां से गाड़ी पार्क करके निकला था।

इससे पहले रविवार-सोमवार की दरमियानी रात को इमरजेंसी की नई बिल्डिंग में गिरी फॉल्स सीलिंग को भी अस्पताल प्रबंधन ने ठीक कर दिया है।

हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक सुनीत टंडन ने कहा कि हमीदिया की पुरानी बिल्डिंग में हमें छज्जा गिरने की सूचना मिली है। इसमें कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। कुछ टू व्हीलर क्षतिग्रस्त हो गई।

ऐसे हुआ था हमीदिया अस्पताल का निर्माण- जानकारों के मुताबिक 1890 में वाइसराय लैंसडाउन और उनकी पत्नी ने भोपाल आगमन पर महिलाओं के लिए अस्पताल बनाने का प्रस्ताव दिया।

1891 में सुल्तानिया अस्पताल की नींव रखी गई। जिसे उस समय लेडी लैंसडाउन वुमन हॉस्पिटल नाम दिया गया। इसके करीब 10 साल बाद पुरानी कोतवाली में 25 बिस्तरों का छोटा सा अस्पताल शुरू हुआ जिसे प्रिंस ऑफ वेल्स किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल फॉर मेन नाम दिया गया। 1951 में इसे फतेहगढ़ किले के खाली पड़े हिस्से में स्थानांतरित कर दिया गया। यही आज का हमीदिया अस्पताल है।

संविदा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिवों के बनेंगे आयुष्मान कार्ड

3 लाख 88 हजार कर्मचारियों को मिलेगा मुफ्त में इलाज, विभागों से मांगी जानकारी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के 3 लाख 88 हजार कर्मचारियों को आयुष्मान योजना के तहत निजी अस्पतालों में हर साल 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज मिलेगा। इन कर्मचारियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुष्मान मध्य प्रदेश (स्वास्थ्य विभाग) ने महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, सामान्य प्रशासन विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को पत्र लिखकर पात्र कर्मचारियों की जानकारी मांगी है।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 4 जुलाई 2023 को लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित संविदा कर्मचारियों के सम्मेलन में इन कर्मचारियों को आयुष्मान योजना का लाभ देने की घोषणा की थी, 22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी किए थे। अब आयुष्मान मध्य प्रदेश ने संबंधित विभागों से कर्मचारियों की पद वार जानकारी मांगी है। जानकारी आने के बाद आयुष्मान कार्ड बनाना शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार इन कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान चिकित्सा सुविधा का लाभ नहीं देती है।

इन वर्गों को मिलेगा लाभ

इस योजना का लाभ संविदा कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा एवं ऊषा कार्यकर्ता, आशा सुपर वाइजर और कोटवारों को मिलेगा।

ये लाभ मिलेगा- आम जनता की तरह ये कर्मचारी भी आयुष्मान कार्ड मिलने के बाद 5 लाख रुपए तक का इलाज निजी अस्पतालों में निःशुल्क करा सकेंगे।

पात्रता की शर्तें ...

- पिछले तीन वर्ष से परिवार का कोई भी सदस्य आयकरदाता न हो। ● परिवार का कोई भी सदस्य किसी अन्य सरकारी योजना से निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकता हो। ● परिवार का कोई सदस्य जो कि शासकीय सेवा में हो और उसे राज्य एवं केंद्र सरकार की ओर से चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो।

किस वर्ग में कितने कर्मचारी

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका	1.50 लाख
आशा ऊषा कार्यकर्ता	1 लाख
संविदा	80,000
पंचायत सचिव	22000
रोजगार सहायक	16000
कोटवार	20000

'उमंग कार्यक्रम' से जोड़ा गया 21 लाख छात्र-छात्राओं को

शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त कार्यक्रम से बेहतर स्वास्थ्य की पहल

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा अभियान, माध्यमिक शिक्षा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संयुक्त रूप से मिलकर उमंग स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस कार्यक्रम समस्त हाई एवं हाई सेकेन्डरी स्कूलों में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं में जीवन कौशल को विकसित करना ताकि वे अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकें और बेहतर स्वास्थ्य के लिये उचित निर्णय ले सकें। यह कार्यक्रम प्रदेश के 9 हजार 306 विद्यालयों में संचालित हो रहा है और इसका फायदा 21 लाख छात्र-छात्राओं को मिल रहा है।

- **स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान-** उमंग कार्यक्रम के जरिये स्कूल में पढ़ने वाले किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को आयरन फोलिक टेबलेट, स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी जांच नियमित रूप से की जा रही है। इसके साथ ही छात्राओं को सेनेटरी पेड, माहवारी के दौरान स्वच्छता और सुरक्षित प्रबंधन की जानकारी दिये जाने की विशेष व्यवस्था है।

प्रशिक्षण की व्यवस्था

उमंग कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन के लिये 52 राज्य स्तरीय, जिलास्तर पर 427 और प्रत्येक स्कूल में 2 शिक्षकों को आरोग्य दूत बनाया गया है। कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के लिये उनकी आयु के अनुरूप अलग-अलग उमंग मॉड्यूल तैयार किया गया है। मॉड्यूल में मुख्य रूप से स्व-जागरूकता, पोषण, जेण्डर हिंसा, कम उम्र में विवाह, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, सायबर सेफ्टी जैसे गंभीर मुद्दों को शामिल किया गया है। इन मुद्दों के जरिये छात्र-छात्राएँ यह समझ सकें कि उनके लिये क्या सही है और क्या गलत।

दिल्ली में इंटरनेशनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट का खुलासा

महिला डॉक्टर समेत 7 गिरफ्तार, मास्टरमाइंड बांग्लादेशी, 25-30 लाख रुपए में डील होती थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को इंटरनेशनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट का खुलासा किया है। मामले में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल की एक महिला डॉक्टर समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के अफसर अमित गोयल ने बताया कि इस रैकेट का मास्टरमाइंड एक बांग्लादेशी है। अमित गोयल ने बताया कि हमने एक डॉनर्स और रिसीवर को भी गिरफ्तार किया है। रैकेट में

शामिल रसेल नाम का एक व्यक्ति मरीजों और डॉनर्स की व्यवस्था करता था। वे प्रत्येक ट्रांसप्लांट के लिए 25-30 लाख रुपए लेते थे। यह रैकेट 2019 से चल रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, गिरफ्तार महिला डॉक्टर की पहचान 50 साल की डॉ विजया कुमारी के रूप में हुई है। वो फिलहाल निलंबित हैं।

वह ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट के साथ काम करने वाली अकेली डॉक्टर हैं। उन्होंने नोएडा स्थित यथार्थ अस्पताल में 2021-23 के दौरान लगभग 15-16 ऑर्गन ट्रांसप्लांट किए थे। सूत्रों ने बताया कि डॉ विजया कुमारी एक सीनियर कंसल्टेंट और किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन हैं।

खालिस्तानियों पर मोदी सरकार का बड़ा ऐक्शन

'सिख्स फॉर जस्टिस' पर लगा बैन 5 साल तक बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर लगाए गए प्रतिबंध को 5 और वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध पहली बार 2019 में लगाया गया था। भारत सरकार ने एसएफजे को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया हुआ है। सरकार ने एसएफजे को देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा मानते हुए यह कदम उठाया था। एसएफजे एक कट्टरपंथी खालिस्तानी संगठन है जो पंजाब में अलगावावादी आंदोलन को बढ़ावा देने की कोशिश करता रहा है। एसएफजे पर प्रतिबंध जारी करने वाली गृह मंत्रालय की 2019 की अधिसूचना में कहा गया, सिखों के लिए तथाकथित जनमत संग्रह की आड़ में, एसएफजे वास्तव में पंजाब में अलगावावाद और उग्रवादी विचारधारा का समर्थन कर रहा है। वह विदेशी धरती पर सुरक्षित ठिकानों से काम कर रहा है और अन्य देशों में विरोधी ताकतों द्वारा सक्रिय रूप से समर्थित है। वर्तमान में, भारत में पन्नू और एसएफजे के खिलाफ लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं। सिख्स फॉर जस्टिस एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के पंजाब राज्य में एक स्वतंत्र सिख राष्ट्र खालिस्तान की स्थापना करना है। यह संगठन 2007 में स्थापित हुआ था और इसका मुख्यालय अमेरिका में स्थित है।

कर्नाटक बीजेपी नेताओं को एचसी से मिली बड़ी राहत

- नफरती भाषण मामले में केस चलाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक बीजेपी के नेताओं को बड़ी राहत मिली है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बीजेपी नेताओं को बड़ी राहत देते हुए एक याचिका खारिज कर दी, जिसमें नेताओं के खिलाफ केस चलाने की मांग की गई थी। याचिका में कर्नाटक के बड़े भाजपा नेताओं के खिलाफ 'नफरत फैलाने वाले भाषण' देने के आरोप लगाए गए थे और कार्रवाई की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने एमपी रेणुकाचार्य, सीटी रवि, तेजस्वी सूर्या, प्रताप सिम्हा समेत राज्य के कई बड़े नेताओं के खिलाफ नफरत भरे भाषण मामले में कार्रवाई की मांग की थी। याचिकाकर्ता का नाम मोहम्मद खलीउल्ला है और उन्होंने दावा किया कि उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए नफरत भरे भाषणों के बारे में पता चला था।

विधान परिषद की 11 सीट और उम्मीदवार 12

महाराष्ट्र में फिर होगी रिजॉर्ट पॉलिटिक्स, 'खेला' शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 12 जुलाई को विधानपरिषद की 11 सीटों के लिए वोटिंग होनी है। यह इलेक्शन दिलचस्प हो गया है। यहां पर 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार चुनावी दंगल में उतारे गए हैं। ऐसे में अटकलें हैं कि क्रॉस वोटिंग भी हो सकती है। इससे पहले विपक्षी महाविकास अघाड़ी अलायंस पूरे अलर्ट मोड में है। मतदान से पहले ही विधायकों को रिजॉर्ट में भेजने की तैयारी है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि एनडीए के नेता उनसे संपर्क करने की कोशिश कर सकते हैं। कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी के विधायकों को होटल में रखने की प्लानिंग है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायकों को भी एक ही होटल में रुकने के लिए कहा जा सकता है।

मुश्किल वक्त में रूस के लिए 'संकटमोचक' बना भारत

- व्यापार ने तोड़ दिए सारे रेकॉर्ड, 65 अरब डॉलर के करीब पहुंचा ● पीएम मोदी को यूं ही गले नहीं लगा रहे पुतिन, बिछाया रेड कार्पेट

मास्को (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर मास्को पहुंचे तो उनकी अगवानी के लिए रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांटुरोव हवाई अड्डे पर खड़े थे। रूस ने ऐसा स्वागत चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भी नहीं किया था, जब वे पिछले साल मॉस्को गए थे। जिनपिंग को रिसीव करने के लिए रूस ने उप प्रधानमंत्री स्तर के निचले अधिकारी को भेजा था, जबकि पीएम मोदी के स्वागत के लिए प्रथम उप प्रधानमंत्री भेजा। दौरे के पहले दिन सोमवार को पीएम मोदी जब निजी मुलाकात के लिए रूसी राष्ट्रपति के सरकारी निवास पर

पहुंचे तो व्लादिमीर पुतिन ने गले लगाकर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने उन्हें अपना परम मित्र बताया। आखिर पुतिन के लिए इतने खास क्यों हैं। तो जान लीजिए पीएम मोदी को पुतिन यूं ही गले नहीं लगा रहे हैं। भारत रूस के लिए संकटमोचक बन गया है। 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से रूस कठोर पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहा है। रूसी गैस के सबसे बड़े आयातक पश्चिम ने अपने हाथ समेट लिए हैं। रूस के साथ व्यापार करने पर प्रतिबंध के खतरे हैं। इसने पहले से ही कमजोर रूसी अर्थव्यवस्था को और मुश्किल में डाल दिया है। रूस की अर्थव्यवस्था के लिए भारत संजीवनी बनकर आया, दबाव के आगे न झुकते हुए रूसी तेल और कोयला खरीदा।

श्रीमती निर्मला बुच की स्मृति में स्कालरशिप

पूर्व मुख्य सचिव एवं समाजसेवी श्रीमती निर्मला बुच को उनके समकालीन साथियों और सहयोगियों ने आज एक अनौपचारिक कार्यक्रम में याद किया। उनके द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा और आजीविका के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख किया गया।

श्रीमती निर्मला बुच द्वारा स्थापित चार स्कूलों सेवन हिल्स पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल न्यू मार्केट,सेवन हिल्स पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल ई - 6 अरेरा कालोनी, अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल दयानंद नगर और अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल शिवाजीनगर के प्रबंधन ने इन स्कूलों में कक्षा पाँचवी, आठवीं , दसवीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पाँच हजार रुपयों की स्कालरशिप मंजूर की है साथ ही उन्हें पुस्तकें भी निशुल्क दी जाएगी। कक्षा पाँचवीं के छात्रों को तीन वर्ष तक, कक्षा आठवीं और दसवीं के छात्रों को दो- दो वर्ष तक स्कालरशिप मिलेगी।

कक्षा बारहवीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ग्यारह हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। प्रबंधन ने चारों स्कूलों में छात्रों के बीच आज यह घोषणा की ।श्रीमती निर्मला बुच की स्मृति में छात्रों द्वारा चारों स्कूलों में वृक्षारोपण भी किया गया।

इंदौर में दोपहर बाद झमाझम बारिश

3 दिनों से जारी बूंदाबांदी का दौर; स्ट्रॉन्ग सिस्टम कमजोर होने से तेज बारिश नहीं

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मंगलवार दोपहर शहर के पश्चिमी और मध्य इलाके में तेज बारिश हुई। सुबह से बादल छाने के बाद हल्की बूंदा-बांदी का दौर बना हुआ था। पिछले 3 दिनों से शहर के अलग अलग इलाकों में रुक रुक कर बारिश हो रही है। इसे पहले सोमवार देर शाम कई इलाकों में हल्की बूंदा बांदी से मौसम में ठंडक घुली थी। इधर इंदौर में पिछले सालों जुलाई महीने को तर कर देने वाली बारिश की दूसरे हफ्ते की शुरुआत भी कमजोर रही। इन दिनों प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हो रही है, लेकिन इंदौर में इसका कोई प्रभाव नहीं है। सोमवार को भी सुबह से शाम तक बादल छाए रहे। इस दौरान तापमान 2 डिग्री गिरा। अरब सागर का एक मजबूत सिस्टम महाराष्ट्र से होते हुए मध्यप्रदेश में प्रवेश कर रहा है। इसकी वजह से प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश हो रही है। हमारे यहां भी बारिश का यलो अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है, लेकिन बारिश गति से नहीं हो रही है। मौसम वैज्ञानिक अजय कुमार शुक्ला के मुताबिक अभी जुलाई का पहला हफ्ता ही हुआ है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि माह में बारिश कम होगी। जब तक बंगाल की खाड़ी में कोई सिस्टम बनकर मूव नहीं होगा। तब तक तेज बारिश के आसार नहीं है।

सोमवार को शहर से 50-60 किमी दूरी के जिले, तहसीलों में जोरदार पानी बरसा, लेकिन यहां रिमझिम ही बरसकर थम गया। महू, मानपुर तहसील और उज्जैन सिटी में सुबह से शाम तक कई बार जोरदार बारिश हुई। जिले में शामिल सांवेर तहसील तक भी तेज बारिश हुई, लेकिन इससे आगे सिस्टम नहीं बढ़ पाया। इंदौर के पास धार, रतलाम तक अच्छी बारिश हुई है। गुजरात में अभी सिस्टम बना हुआ है। इस बीच अगर कन्वेक्टिल एक्टिविटी हो तो बारिश होगी। अभी दो-चार दिन स्ट्रॉन्ग सिस्टम के संकेत नहीं है इसलिए अच्छी बारिश के संकेत नहीं है।

मुंबई में बारिश से फ्लाइट डायवर्ट

मौसम खराब होने से चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु और अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली 4 उड़ानों को उतरने की अनुमति नहीं मिली। बाद में इन फ्लाइट को इंदौर डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट से मिली जानकारी अनुसार यह फ्लाइट देर रात 3.30 से 4.15 के बीच इंदौर एयरपोर्ट पर एक के बाद एक लैंड हुईं। इसके बाद यात्री प्लेन में ही बैठे रहे।

यह फ्लाइट भी हुई प्रभावित

मुंबई से इंदौर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 4 घंटे देरी से शाम 3.45 बजे इंदौर पहुंची। इंदौर-हैदराबाद उड़ान 4 घंटे देरी से शाम 4.30 बजे इंदौर आई।

इधर, इंदौर-अहमदाबाद, इंदौर-नागपुर, इंदौर-दिल्ली सहित 6 फ्लाइट आधे से एक घंटे देरी से रवाना हुई।

बर्तनों के बीच बैठे सांप ने मासूम को काटा, मौत

चीख सुनकर मां पहुंची, पिता बोले- छह माह पहले भी दिखा था यही सांप

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तेजाजी नगर में आठ साल की एक बच्ची की सांप के काटने से मौत हो गई। सोमवार रात में वह खाना खाने के लिये थाली लेने गई। सांप थाली के पीछे ही बैठा था। जैसे ही बच्चे ने थाली उठाई सांप ने काट लिया। बच्ची जोर से चीखी तो मां उसके पास आई। यहां सांप भागता दिखाई दिया। पिता उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तेजाजी नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बच्ची का नाम ऋषिका बघेल (8) निवासी असरावर्द खुर्द है। उसके पिता बंशीलाल उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने बातचीत में बताया कि रात में करीब 8 बजे के लगभग बेटी को सांप ने काट लिया था। वह उस समय डेयरी पर थे। पत्नी मनीषा ने फोन पर सूचना दी।

वह बेटी को लेकर नजदीकी अस्पताल पहुंचे लेकिन वहां से डॉक्टरों ने एमवायएच भेज दिया। बंशीलाल ने बताया कि सांप बर्तनों के बीच बैठा था। बेटी का ध्यान नहीं गया। घटना के वक्त छोटी बेटी और एक बेटा भी कमरे में मौजूद था। परिवार के मुताबिक सांप करीब छह माह पहले घर के पास दिखा था। तब हमें लगा कि वह यहां से चला गया होगा। बंशीलाल और उनका परिवार मूल रूप से कुक्षी का रहने वाला है। बंशीलाल कुछ साल पहले काम की तलाश में इंदौर आए थे।

मयूर हॉस्पिटल में तोड़फोड़, 18 दिन बाद एफआईआर

मरीज की तबीयत बिगड़ी तो स्टाफ को पीटा, आग लगाने की धमकी दी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के मयूर अस्पताल के डायरेक्टर की शिकायत पर पुलिस ने 18 दिन बाद दो आरोपियों पर तोड़फोड़ और मारपीट का केस दर्ज किया है। खजराना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस ने मयूर अस्पताल के डायरेक्टर रियाज सिद्दीकी की शिकायत पर मोहम्मद अकील और मोहम्मद रहीम पर केस दर्ज किया है।

सिद्दीकी ने बताया कि शेख रशीद (59) निवासी भूरी टेकरी को 14 जून को एमवाय अस्पताल से मयूर अस्पताल में शिफ्ट किया गया। उन्हें आंतों में बीमारी थी। 20 जून को उनकी तबीयत बिगड़ी और आईसीयू में शिफ्ट किया गया। उनके बेटे शेख अकील और भांजे मोहम्मद रहीम को जानकारी दी गई। तबीयत में सुधार नहीं होने पर दोनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की। अस्पताल में आग लगाने की धमकी भी दी।

डायरेक्टर रियाज सिद्दकी के असिस्टेंट राजेश साद, नर्सिंग स्टाफ रामकुमार कासवान, फ्रंट ऑफिसर स्टाफ नवीन पाटीदार, सिक्योरिटी गार्ड रामसिंह के साथ मारपीट की। इनकी धमकी और तोड़फोड़ से डरकर स्टाफ के कुछ लोग वहां से भाग गये। डायल 100 को मामले में सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने पर परिजन शांत हुए। लेकिन हास्पिटल का पेमेंट दिए बिना चले गए। बाद में रियाज सिद्दिकी ने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए आवेदन दिया। उसमें मेडिकल प्रोटक्शन के तहत कार्रवाई की मांग की गई।

13 साल के फैन की दीवानगी ऐसी..सीने पर बनवाया टैटू

उत्तराखंड में यूट्यूबर से मिलकर इंदौर लौटा, कहा-शायरी-डायलॉग के वीडियो बनाऊंगा

इंदौर (नप्र)। घर से बिना बताए अपने फेवरेट से मिलने हजारों किलोमीटर का सफर तय करने वाला 13 साल का नाबालिग इंदौर लौट आया है। वह यूट्यूबर सौरव जोशी से मिलने उत्तराखंड के हल्द्वानी गया था। जेब में 600 रुपए रखे और मां की चप्पल पहनकर घर से निकल पड़ा। नानी से ट्रेन के बारे में जानकारी ली थी। इंदौर से राजस्थान के गंगापुर सिटी तक का टिकट लिया। लेकिन ट्रेन से सीधे दिल्ली ही पहुंच गया। एक फेमस यूट्यूबर बनने के जुनून ने उससे ये सब करवाया।

नाबालिग की ऐसी दीवानगी कि उसने सौरव जोशी का परमानेंट टैटू अपने सीने पर बनवा लिया है, जिसे वो सही और गलत दोनों बता रहा है। मां को भी टैटू के बारे में दो दिन बाद पता चला था। नानी ने टैटू बनाने वाले पर कार्रवाई की बात कही है। टैटू का वीडियो अब तक 56.3 मिलियन देखा जा चुका है। ये वीडियो वायरल होने पर ही उसने सौरव से मिलने का मन बना लिया। उसकी इच्छा अब फेमस यूट्यूबर एलविश यादव समेत अन्य से मिलने की है। उसकी इस जिद और पूरे घटनाक्रम को लेकर तीन प्रमुख कारण सामने आए हैं। दैनिक भास्कर से बातचीत में नाबालिग ने अब तक की अपनी पूरी कहानी बताई।

जिद को लेकर 3 बातें

संगत-आसपास का माहौल कैसा है। दोस्त कौन हैं। बच्चे की संगत कैसी है। ये बहुत महत्वपूर्ण है। इंदौर का 13 साल का ये लड़का दोस्तों के साथ ही बिना बताए टैटू बनवाने चला गया था। दोस्त उसे दुर्लभ कहकर बुलाते हैं। संगति का ज्यादा असर उस पर पड़ा। यू-ट्यूबर्स के वीडियो भी दोस्तों ने ही उसे बताए।

मोबाइल- परिवार के पास कोई कंप्यूटर नहीं है। बच्चों को छोटी उम्र में ही मोबाइल थमा दिया जाता है। इस केस में बच्चा जब 8-9 साल का था तब से मोबाइल चला रहा है। घर में बड़ी बहन है। वो पढ़ाई में व्यस्त रहती है। वह कभी मोबाइल चलाता, कभी दोस्तों के साथ घूमता।

ग्लैमर- यू-ट्यूबर्स की लाइफ स्टाइल भी बच्चों को अटरेक्ट कर रही है। वीडियो में यूट्यूबर्स बताते हैं कि पहले उनके पास कुछ नहीं था लेकिन आज महंगी कार, बड़ा घर समेत सब कुछ है। बच्चे भी खुद को यूटयूबर की तरह सक्सेसफुल देखना चाहते हैं और ग्लैमर में पड़ कर उसी दिशा में सोचने लगते हैं।

इंदौर के आश्रम से मानसिक दिव्यांग नाबालिग लापता

श्री युग पुरुष धाम से दूसरे आश्रम शिफ्ट किया था, अपहरण का केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के श्री युग पुरुष धाम से बच्चों को शहर के दूसरे आश्रमों में शिफ्ट किया जा रहा है। इस दौरान 16 साल का नाबालिग लापता हो गया। वह मानसिक दिव्यांग है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया है। बच्चे की तलाश की जा रही है। आश्रम संचालिका डॉ. अनिता शर्मा ने तेजाजी नगर पुलिस को बताया, नाबालिग को रविवार को खंडवा नाका स्थित अखंड परमानंद आश्रम में शिफ्ट किया गया था। इस आश्रम की संचालिका शुभदा ऑस्कर ने नाबालिग के लापता होने की जानकारी श्री युग पुरुष धाम को दी। शुभदा ने बताया, सोमवार शाम 4 बजे जब गिनती की गई तो नाबालिग हॉल में खेल रहा था। शाम 7 बजे दोबारा की गई गिनती में वह दिखाई नहीं दिया। उसे कई जगह तलाश किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस पर डॉ. अनिता शर्मा तत्काल अखंड परमानंद आश्रम पहुंची और पुलिस में शिकायत की। उन्हें नाबालिग के अपहरण की आशंका है। उसने ग्रीन टी शर्ट और नीला पंजामा पहना है। कपड़ों पर युग पुरुष धाम आश्रम का लोगो भी बना है।

जनवरी में हरदा से आया था नाबालिग–हरदा की आनंद बाल कल्याण समिति ने 10 जनवरी को नाबालिग को श्री युग पुरुष धाम आश्रम को सौंपा था। पिछले कुछ दिनों में युग पुरुष धाम में बच्चे बीमार पड़ने और आश्रम ओवरलोड होने के कारण उसे अखंड परमानंद आश्रम में शिफ्ट किया गया था। डॉ. अनिता शर्मा ने बताया कि हरदा की बाल कल्याण समिति को सूचना दे दी गई है।

मंगेतर पर धारदार पत्ती से हमला

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा में एक युवती को उसके मंगेतर ने रोक लिया। युवती ने सड़क पर बात करने से इनकार किया तो आरोपी ने धारदार पत्ती से हमला कर दिया। सड़क पर ही बाल पकड़कर मारा। युवती की छोटी बहन बचाव करने आई तो उस पर भी पत्ती से हमला कर घायल कर दिया। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोनम की शिकायत पर उसके मंगेतर जीवन भदौरिया के खिलाफ धमकाने, मारपीट, धारदार हथियार से हमला करने और जबरन रास्ता रोकने के मामले में केस दर्ज किया है। सोनम ने बताया कि वह अपनी छोटी बहन सोनिका के साथ रात 9 बजे गोरी नगर में मेला देखने जा रही थी। सुखलिया में देवश्री तोल कांटे के यहां पहुंची तो वहां पल्सर बाइक लेकर आरोपी जीवन पहुंचा। उसने बाइक मोपेड के आगे अड़ाकर कहा कि मुझे बात करना है। सोनम ने इनकार किया तो जीवन बाल पकड़कर मारपीट करने लगा। सोनम भागने लगी तो जीवन ने जेब से धारदार पत्ती निकालकर हमला कर दिया। उसके सिर में भी चोट आई। बहन सोनिका बचाव करने आई तो उस पर भी हमला कर दिया। दोनों बहनों ने परिवार को मोबाइल पर जानकारी दी। इसके बाद थाने आकर केस दर्ज कराया।

इंदौर में सुरों से सजी महफिल, बारिश पर आधारित गीतों पर खूब भीगे श्रोता

इंदौर (नप्र)। स्वरांगिनी कराओके क्लब द्वारा एक होटल में सोमवार को आयोजित गीतों की महफ़िल में डॉक्टर, वकील, प्रोफेशनल्स ने एक से एक गीतों से समां बांध दिया। कार्यक्रम के सूत्रधार जनार्दन शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर गणेश वंदना की। इसके बाद मां शारदा का आह्वान करते हुए बादलों के न बरसने पर अब तो बरसो रे बदरवा... लोक गीत सुनाया। गायिका जसमीत ने मेघा छाये आधी रात... गीत से सबका मन मोह लिया। नरेश गोयल ने बहुत पुराना गीत ये कहानी है दिये की और तूफान की... गाकर महफ़िल में चार चांद लगा दिए।

डॉ. सुनील गेहलोत ने रिमझिम गिरे सावन, डॉ. प्रदीप गोयल ने आइए बारिशों का मौसम है... की शानदार प्रस्तुति दी। डॉ. ज्योति शर्मा ने जरा होले होले चलो मोरे साजना... गीत पर सबको थिरका दिया। एडवोकेट अमिताभ

उपाध्याय ने जब दीप जले आना... की प्रस्तुति दी। डॉ. अनिल राठौड़ ने सोचेंगे तुम्हें प्यार करें कि नहीं.... गीत से और लता तपन सेन, रीना निलेश की जोड़ी ने भी डुबेट गीत गाकर खूब तालियां बटोरी। मोहन सोनी, उषा मंडलोई, राजेश पुरोहित ने भी कुछ बरसात के गीत गाकर बारिश का आह्वान किया। जनार्दन शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन कर चलते चलते मेरे ये गीत...के साथ आभार व्यक्त किया।

एसजीएसआईटीएस की रिपोर्ट के बाद तय होगी मोरटक्का पुल से भारी वाहनों की आवाजाही

इंदौर (नप्र)। मोरटक्का (बड़वाह) के पुल से भारी वाहनों की आवाजाही पुलिस प्रशासन ने फिलहाल रोक दी है। पुल की क्षमता को लेकर इंदौर कमिश्नर के आदेश पर एनएचएआई फिर से पुल की जांच करा रही है। एसजीएसआईटीएस के इंजीनियर्स की जांच रिपोर्ट के बाद ही कलेक्टर्स तय करेंगे कि पुल से भारी वाहनों को निकलने की इजाजत दी जाए या नहीं। एनएचएआई को पुल का दोबारा परीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं।

बाइक के सामने कुत्ता आया, पीछे बैठे पिता की मौत

बेटा बोला- हेलमेट पहना था, इसलिए मैं बच गया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के भागीरथपुरा में सड़क हादसे में पिता की मौत हो गई। जबकि हेलमेट पहने बैठे बेटे को हाथ और पैर में मामूली चोट आई है। बताया जा रहा है कि बेटा पिता को लेकर टाइफाइड की दवा लेने जा रहा था। इस दौरान कुत्ते के गाड़ी के बीच में आने से हादसा हो गया।

पुलिस के मुताबिक घटना भागीरथपुरा की है। यहां विकास (49) पुत्र जगन्नाथ मंडल निवासी गंगा विहार कॉलोनी की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि बेटा राजिक मंडल घायल हुआ है। बेटे ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7 बजे वह पिता को साथ लेकर टाइफाइड की दवा लेने राजबाड़ा जा रहे थे। भागीरथपुरा के नजदीक बाइक के सामने अचानक कुत्ता दौड़कर आ गया। उसे बचाने के चलते तेजी से ब्रेक लगाया तो बाइक फिसल गई। इससे पिता और बेटा दोनों नीचे गिर गए। पीछे बैठे पिता के सिर में चोट आई। उन्हें तत्काल एमवाय अस्पताल ले गए। लेकिन यहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बेटे राजिक ने कहा कि मैंने हेलमेट पहनी थी, इस वजह से मेरा सिर बच गया। विकास पेशे से बुटीक का काम करते थे। वे पत्नी और दो बेटों के साथ रहते थे।

तीन हादसों में तीन की मौत

शहर में तीन अन्य हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। जिसमें प्रतापसिंह (45) पुत्र शिवनाथ निवासी बाणंगगा को देवगुराडिया के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दूसरी घटना राजेन्द्र नगर इलाके में हुई। यहां दीपक (28) निवासी छोटी खरगोन को चोइथराम मंडी के यहां अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस परिवार के बारे में जानकारी निकाल रही है। इसी तरह इमामुद्दीन (60) निवासी कोहिनूर कॉलोनी की आजाद नगर में सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

वेलनेस कोच युवती का मोबाइल लूटा

सड़क किनारे खड़ी थी तभी तेज रफ्तार बाइक सवार आया और झपट्टा मारकर मोबाइल ले गया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पलासिया इलाके में एक वेलनेस कोच का मोबाइल बाइक सवार बदमाश लूटकर भाग गया। युवती के परिवार ने उसका पीछा भी किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। पलासिया पुलिस के मुताबिक खुशी पुत्री राजेश सोनी निवासी आलोक नगर ने बताया कि वह मयूर अस्पताल के नजदीक मां अर्चना को बस में छोड़ने आई थी। इस दौरान वह रोड के साइड में खड़ी थी और उसके हाथ में मोबाइल था। तभी एक बाइक सवार तेजी से उसके नजदीक आया और झपट्टा मारकर हाथ से मोबाइल छिनकर ले भागा। उसके साथ मां को छोड़ने आए ताऊ मनीष और भाई पर्व भी थे। इन दोनों ने आरोपी का पीछा किया लेकिन वह खजराना की ओर भाग गया। मां को बस में बैठाकर खुशी ने ताऊ और भाई के साथ पुलिस से शिकायत की।

महिला की चेन ले गए बदमाश

एरोड्रम में जगन्नाथ यात्रा में शामिल होने पहुंची महिला की सोने की चेन बदमाशों ने चुरा ली। पुलिस के मुताबिक ललिता पति हेमंत राठौर निवासी वेंकटेश नगर ने बताया कि वह रविवार को जगन्नाथ यात्रा में गई थी। कालानी नगर चौराहे पर रथ पर प्रसाद लेने पहुंची तो पंडित ने उसे प्रसाद दिया। इस दौरान भीड़ काफी थी। वह पलटकर वापस सड़क किनारे आई तो उनका गले पर ध्यान गया। सोने की चैन देखी तो गले में नहीं थी। बेटे सुनील के साथ सोमवार को थाने पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई।

गाय ढूंढने निकला था पूर्व सरपंच का पति

चौबीस घंटे बाद पत्तों से ढंका मिला शव, पत्नी बोली मेरी बात मान लेते तो जिंदा होते

इंदौर (नप्र)। सिमरोल के जंगलों में पूर्व सरपंच के पति दिलीप पुत्र बीमा बुंदेला की रविवार को हुई हत्या के मामले में पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी मिली है। पुलिस ने बताया कि दिलीप की हत्या कुल्हाड़ी मारकर की गई। हत्यारों ने उस पर चार से पांच वार किए थे। हाथ में चोट के निशान से पता चला कि दिलीप ने उन्हें रोकने की कोशिश भी की थी। मौत होने के बाद शव को पत्तों से ढांककर भाग गए। दिलीप को आखिरी कॉल घूमने जाने के लिए आया था। इस आधार पर पुलिस ने कॉल डिटेल की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में निजी दुश्मनी और अवैध संबंधों के एंगल पर जांच कर रही है। डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि चोरल की पूर्व सरपंच के पति दिलीप की गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरी चोट के निशान मिले हैं। पुलिस के मुताबिक जहां दिलीप का शव मिला वह जगह घर से 3 से 4 किलोमीटर दूर है। यहीं सड़क पर दिलीप की बाइक मिली है। हत्यारों ने दिलीप के शव को छिपाने के लिये पत्तों से ढंक दिया। सुबह परिवार के लोगों को वहां शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को अस्पताल भेजा।

सुबह 9.30 बजे घर से निकला, आधे घंटे बाद मोबाइल बंद– परिवार ने पुलिस को बताया कि दिलीप रविवार की सुबह 9.30 बजे घर से निकल गया था। फोन पर किसी ने बताया कि 15 दिन पहले खोई उसकी गाय जंगल में घूम रही है। इसके बाद दिलीप गाय ढूंढने बाइक से निकल गया। आधे घंटे बाद 10 बजे उसका मोबाइल बंद हो गया।पुलिस इसी फोन की डिटेल निकाल रही है। पुलिस का कहना है कि घर से निकलने के बाद दिलीप के परिचित तेजू का भी फोन आया था। तेजू का खेत दिलीप के खेत के पास ही है।

मृतक दिलीप बुंदेला

शाम 5 बजे रातभर ढूंढते रहे परिजन, 24 घंटे बाद मिला शव

सुबह 9.30 बजे घर से निकला और मोबाइल बंद आया तो परिवार को लगा कि रविवार के कारण कहीं पार्टी चल रही होगी। परिजनों ने शाम 5 बजे के बाद ढूंढना शुरू किया। वे रात 2 बजे तक ढूंढते रहे, पर कोई सुराग नहीं मिला। परिजन सोमवार सुबह 6 बजे फिर ढूंढने निकल गए।

पत्नी रोते हुए बोली- मेरे बात मान लेते और साथ जाते तो बच जाते

दिलीप के परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी है। बेटी महू के होस्टल में रहती है। पत्नी रविवार सुबह उसे सुबह कपड़े और सामान देने गई थी। पत्नी ने कहा मेरे साथ चलो। लेकिन दिलीप ने उसकी बात नहीं मानी और गाय ढूंढने चला गया। पत्नी ने कहा मेरी बात मान ली होती और मेरे साथ चले गए होते तो जिंदा होते।

संपादकीय

मंत्री रावत- भाजपा की मजबूरी?

कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री रामनिवास रावत को लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा में लाकर उन्हें नतीजों के बाद ताबड़तोड़ कैबिनेट मंत्री बनाने के पीछे मप्र में सत्तारूढ़ भाजपा की क्या रणनीति अथवा मजबूरी है, यह समझना मुश्किल है। रावत को मंत्री बनाने के खिलाफ पार्टी में ही वरिष्ठ विधायकों ने आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है। भाजपा का यह कदम इसलिए भी हैरान करने वाला है क्योंकि पार्टी जिन राज्यों में लोकसभा चुनाव में हारी है, वहां हार कारणों में एक बड़ी वजह भाजपा में बाहर के नेताओं को लगातार शामिल करना भी है। बावजूद इसके मप्र में दूसरी पार्टियों से नेताओं को आयात करने का खेल जारी है। यकीनन आने वाले समय में आयातित नेता और कार्यकर्ताओं की भरमार का विपरीत नतीजा देखने को मिल सकता है। रामनिवास रावत कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक हैं, जो 1990 से (2018 के विस चुनावों को छोड़कर) लगातार विधायक हैं और ग्वालियर चंबल की राजनीति में महल विरोधी माने जाते रहे हैं। वो कमलनाथ सरकार में मंत्री भी रहे। विधानसभा में भी उन्हें मुखर वक्ता के रूप में जाना जाता है। इतने अनुभवी होने के बाद भी राजभवन में उनकी शपथ ग्रहण के समय जो गफलत हुई, वो किसी के गले नहीं उतर रही है। रावत को मोहन यादव सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। लेकिन पद की शपथ लेते समय पहली बार रावत के मुंह से कैबिनेट की जगह राज्यमंत्री बोला गया। ऐसा कैसे हुआ, इसकी पड़ताल जारी है, लेकिन यह गंभीर त्रुटि है। इस गलती के कारण रावत को दोबारा कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलानी पड़ी, जोकि अपने आप में अभूतपूर्व घटना है। शपथ ग्रहण में गड़बड़ी को अलग रखें तो भी रावत को मंत्री बनाना वैधानिक रूप से सही है या नहीं, इस पर बवाल मचा है। बताया जाता है कि शपथ लेने के पहले रावत ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया था। ऐसे में बिना इस्तीफा स्वीकृत हुए उन्हें मंत्री बनाया जाना वैधानिक रूप से सही नहीं है। इस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति ली है। सूत्रों के मुताबिक रावत ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद ही कांग्रेस की विधायकी छोड़ी। उनका त्यागपत्र भी तुरंत स्वीकार कर लिया गया। रावत के इस्तीफे से अब विजयपुर विधानसभा सीट खाली हो गई है। जल्द ही बीना सीट भी खाली हो सकती है। क्योंकि वहां की कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे भी अब भाजपा में शामिल हो गई हैं। उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया है या नहीं, इसको लेकर अभी भी संशय की स्थिति है। वैसे रावत ओबीसी से आते हैं और ग्वालियर चंबल क्षेत्र में उनका अच्छा असर है। बताया जाता है कि उन्हें लोकसभा चुनाव में मुरैना से भाजपा प्रत्याशी को जिताने का इनाम मिला है। भाजपा के असंतुष्ट विधायक अजय विश्नोई ने अपनी नाराजी भरे एक्स पोस्ट में इसका खुलासा किया है। यह सही हो भी सकता है, क्योंकि लोस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह सिकरवार ने कांग्रेस प्रत्याशी नीटू सिकरवार को 52 हजार से अधिक वोटों से हराया था। इसी तरह लगातार 9 बार के विधायक रहे गोपाल भार्गव ने भी उन्हें मंत्री न बनाए जाने पर सार्वजनिक रूप से नाराजी व्यक्त की है। हालांकि वो 13 साल तक लगातार मंत्री रहे भी हैं। इस बीच यह चर्चा भी जोरों पर है कि अमरवाड़ा विस सीट पर हो रहे उपचुनाव में अगर भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह जीते तो उन्हें भी मंत्री पद से नवाजा जा सकता है। कैबिनेट में 3 मंत्री पद अभी खाली हैं। लेकिन बाहरियों को ऐसे ही नवाजा जाता रहा तो मप्र में जनाधार कमजोर होना तय है।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

निजी मोबाईल कंपनियों को छूट

ग़ौरतलब है कि देश के कुल लगभग 119 करोड़ में से 109 करोड़ सेल फ़ोन उपभोक्ता केवल रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफ़ोन का मोबाईल कनेक्शन प्रयोग करते हैं जबकि शेष दस करोड़ उपभोक्ताओं में बीएसएनएल व अन्य छोटी क्षेत्रीय स्तर की कई कम्पनीज़ हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त होने व एनडीए का तीसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद इन कंपनियों द्वारा लिया गया यह निर्णय निश्चित रूप से मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं को यह सोचने के लिये मजबूर करता है कि क्या रेट बढ़ाने के लिये यह कम्पनियाँ चुनाव समाप्त होने की प्रतीक्षा में थीं? और यह भी कि चुनाव पूर्व इन कंपनियों द्वारा अपने टैरिफ़ में बढ़ोतरी इसलिये नहीं की गयी ताकि सत्ता को 109 करोड़ मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना न करना पड़े?

जिस समय लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना ताक़त व सामर्थ्य से सरकार चलाने व जनकल्याण सम्बन्धी अनेक दावे व वादे कर रहे थे उस समय देश की जियो रिलायंस, एयरटेल व वोडाफोन आइडिया जैसी तीन सबसे बड़ी कम्पनियाँ भारतवर्ष के लगभग 109 करोड़ मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं पर 34,824 करोड़ रुपए वार्षिक का आर्थिक बोझ डालने का फ़ैसला कर चुकी थीं। इन कंपनियों द्वारा अपने ग्राहकों के लिये मोबाइल शुल्क को बढ़ाते हुए अब बढ़ी कीमतों के साथ नए प्लान बाज़ार में उतारे गए हैं। इस बढ़े हुये टैरिफ़ के बाद अब ग्राहकों पर मोबाइल टैरिफ पर होने पर वाला उनका ख़र्च औसतन 15 प्रतिशत और बढ़ गया है। ग़ौरतलब है कि देश के कुल लगभग 119 करोड़ में से 109 करोड़ सेल फ़ोन उपभोक्ता केवल रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफ़ोन का मोबाईल कनेक्शन प्रयोग करते हैं जबकि शेष दस करोड़ उपभोक्ताओं में बीएसएनएल व अन्य छोटी क्षेत्रीय स्तर की कई कम्पनीज़ हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त होने व एनडीए का तीसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद इन कंपनियों द्वारा लिया गया यह निर्णय निश्चित रूप से मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं को यह सोचने के लिये मजबूर करता है कि क्या रेट बढ़ाने के लिये यह कम्पनियाँ चुनाव समाप्त होने की प्रतीक्षा में थीं? और यह भी कि चुनाव पूर्व इन कंपनियों द्वारा अपने टैरिफ़ में बढ़ोतरी इसलिये नहीं की गयी ताकि सत्ता को 109 करोड़ मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना न करना पड़े?

ग़ौरतलब है कि भारतीय मोबाईल बाज़ार में इस समय रिलायंस जियो के पास लगभग 48 करोड़ उपभोक्ता हैं जबकि एयरटेल के पास क़रीब 39 करोड़ तथा वोडाफोन आइडिया के पास 22 करोड़ 37 लाख मोबाईल फ़ोन उपभोक्ता हैं। तीनों ही कम्पनीज़ ने पूरे आपसी तालमेल के साथ केवल एक एक दिन के अंतराल पर क़ीमतों में इज़ाफ़ा किया। जैसे रिलायंस जियो ने 27 जून को अपने रेट 12 प्रतिशत से 27 प्रतिशत तक बढ़ाये तो एयरटेल ने 28 जून को 11 से 21 प्रतिशत रेट बढ़ाये इसी तरह 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने औसतन लगभग 16 प्रतिशत रेट बढ़ा दिये। विपक्ष का सीधा आरोप है कि यह कंपनियों अपनी मनमानी करते हुये अपने हिसाब से फ़ोन दर बढ़ा रही हैं और उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डाल रही हैं।

एक प्रमुख अख़बार की रिपोर्ट के अनुसार केवल मोबाईल फ़ोन टेरिफ़ चार्ज बढ़ाने से देश में मुद्रा स्फ़ीति की दर में 0.02 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो जाएगी। इसका ज़िम्मेदार आख़िर कौन होगा?

इसी बीच दूरसंचार मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी कर एक तरह से टेलीकॉम कंपनियों का बचाव करते हुये यह कहा गया है कि 'टैरिफ़ की दर टेलीकॉम कंपनियां डिमांड एंड सप्लाई के आधार पर निर्धारित करती हैं। ये कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए टेक्नोलॉजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ख़र्च कर रही हैं और इस निवेश को फ़ाइनेंस करने के लिए ही टैरिफ़ बढ़ाने जैसे फ़ैसले लिए जाते हैं'। दरअसल भारत में टैरिफ़ सम्बन्धी फ़ैसले भारतीय दूर संचार नियामक प्राधिकरण TRAI गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए कंपनियां करती हैं। सरकार स्वतंत्र बाज़ार के फ़ैसलों में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करती है। ख़बरों के अनुसार पिछले दिनों इन टेलीकॉम कंपनियों द्वारा देश में ग्राहकों को 5 जी नेटवर्क की सुविधा देने के लिए तकनीकी क्षेत्र में भारी निवेश किया गया है। अब ग्राहकों को 5 जी सर्विस का लाभ उठाने के लिए 71 फ़ीसदी ज़्यादा शुल्क देना होगा। जबकि आंकड़ों के अनुसार यदि 5 जी सुविधा देने के बदले यही कम्पनीज़ 15 से 17 फ़ीसदी प्रति उपभोक्ता औसतन शुल्क भी बढ़ाती हैं तो भी उन्हें अपनी लागत वापस मिल जायेगी। परन्तु सवाल यह है कि पूंजीपतियों के हितों का ध्यान रखने वाली सरकारें बढ़ चढ़कर उपभोक्ता हितों की केवल बातें तो करती हैं परन्तु या तो यह पूंजीपतियों के हक़ में फ़ैसले करती हैं या उनके द्वारा उठाये गये इसतरह के मनमानी फ़ैसलों पर न केवल ख़ामोश रहती हैं बल्कि उन्हीं के पक्ष में कई तर्क भी दे डालती हैं।

उपरोक्त तीनों निजी कंपनियों द्वारा शुल्क दर बढ़ाने के बाद ख़बरें यह भी आ रही हैं कि इन कम्पनीज़ के तमाम उपभोक्ता इन्हें छोड़ अब बी एस एन एल का कनेक्शन ले रहे हैं। निजी मोबाईल द्वारा रिचार्ज टैरिफ़ बढ़ाए जाने के बाद बी एस एन एल ने भी प्रतिस्पर्द्धा में छलांग लगाते हुये तत्काल एक सस्ता और किफ़ायती टैरिफ़ प्लान भी पेश किया है। साथ ही बीएसएनएल की ओर से यह घोषणा भी की गयी है कि कंपनी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में 10 हज़ार 4 प्रतिशत टॉवर लगाये हैं। इस घोषणा के बाद संभावना है कि बीएसएनएल जल्द ही 4 प्रतिशत सर्विस शुरू कर सकती है। ग़ौरतलब है कि बीएसएनएल ने अप्रैल महीने तक देश भर में लगभग 3500 टॉवर स्थापित किए थे जोकि अब इस महीने यानी जुलाई तक 10 हज़ार तक पहुंच गए हैं।

यह वही बीएसएनएल है जो सभी मूलभूत सुविधाओं के मौजूद होने के बावजूद केवल सरकारी निष्क्रियता व अवहेलना के चलते निजी क्षेत्र की कम्पनीज़ से लगातार पिछड़ता जा रहा था और ठीक इसके विपरीत निजी कम्पनीज़ सरकारी संरक्षण में फल फूल रही थीं। यहाँ तक कि निजी कम्पनीज़ द्वारा पूरे देश में बी एस एन एल के अनेक टावर्स भी इस्तेमाल किये जा रहे थे। याद कीजिये जिस दिन जियो रिलायंस की शुरुआत हुई थी उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र कम्पनी द्वारा देशभर के अख़बारों के मुख्य पृष्ठ पर अपने विज्ञापन में इस्तेमाल किया गया था जिसपर काफ़ी बवाल मचा था। बहरहाल अब इन निजी कम्पनीज़ द्वारा मनमानी तरीक़े से शुल्क बढ़ाये जाने के बाद जिस तरह ग्राहकों में बी एस एन एल में 'घर वापसी' की होड़ मची है उसे देखकर बी एस एन एल के दिन फिरने की उम्मीद तो जगी ही है। साथ ही इन तीनों निजी कम्पनीज़ से ग्राहकों का मोह भांग होने के बाद इनके भी होश ठिकाने लगेंगे तभी ग्राहकों के साथ की जाने वाली इनकी व इन जैसी दूसरे क्षेत्रों की अन्य निजी कम्पनीज़ की मनमानी पर भी नियंत्रण लग सकेगा।

साइबर क्राइम

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

बैंकों को बचाएं साइबर अपराधियों और भ्रष्टाचार से

नरेन्द्र मोदी सरकार के केन्द्र में लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने के बाद एक उम्मीद पैदा हुई है कि सरकार अब बैंकिंग सेक्टर को अधिक पारदर्शी और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाती रहेगी। बीते कुछ सालों के दौरान, भारतीय बैंकों ने जितने उतार-चढ़ाव झेले हैं, शायद किसी अन्य देश ने नहीं झेला होगा। कई भारतीय बैंक अनेक घोटालों-घपलों, ऋण अदायगी न होने, जालसाजियों, अनर्जक परिसम्पत्तियों (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) के बढ़ते बोझ, कर्जमाफी की गलत नीतियों आदि के कारण कई बार तो पूरी तरह डूब गए या भारी घाटे में चले गए। इससे निपटने के लिए पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने कुछ कदम भी उठाए, लेकिन, इनके आधे-अधूरे कार्यान्वयन से आशातीत सफलता नहीं मिली।

लेकिन, राहत की बात है कि मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र में फैली गड़बड़ियों को दूर करने के लिए अनेक फौरी कदम उठाए, जिससे बैंकों की स्थिति में अब धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। अनेक बैंक न सिर्फ घाटे से उबर कर लाभ की ओर अग्रसर हैं, बल्कि अनेकों घोटालों पर लगाम भी लगी है। अनेक घोटालेबाज़ों की सम्पत्ति कुर्क कर ऋण वसूली भी की गई है, बैंकों का पुनर्पूंजीकरण किया गया और अनर्जक परिसम्पत्तियों का बोझ काफी कम हुआ है। क्या यह सुखद स्थिति नहीं है कि 2013 से 2017 के बीच बैंकों की अनर्जक परिसम्पत्तियां 12.47 प्रतिशत थी, जो धीरे-धीरे लुढ़कते हुए सितंबर 2023 में 3.2 प्रतिशत हो गई, भले ही इसमें सरकार द्वारा बैंकों के पुनर्पूंजीकरण का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा। अब सवाल यह है कि क्या बैंकों में सुधार की वर्तमान स्थिति भविष्य में भी जारी रहेगी या 'लौट के बुद्धु घर आए' की कहावत चरितार्थ होगी?

भारतीय बैंक इस तथ्य के साक्षी हैं कि देश की आज़ादी से पहले और बाद में भी वे डूबते रहे या भारी घाटा सहते रहे हैं। यह उबड़-खाबड़ स्थिति सोचने को विवश करती है कि जब तक लंबे समय तक सुधार प्रक्रिया जारी नहीं रहेगी, तब तक समस्या का स्थायी निराकरण संभव नहीं है। इस विषय पर वरिष्ठ लेखक श्रीपाल जैन की हालिया प्रकाशित पुस्तक - 'भारतीय बैंकों का बदलता चेहरा' उपरोक्त विविध पहलुओं का बखूबी विश्लेषण करती है। आज़ादी से पहले और बाद में बैंकों में घोटालों, महाघोटालेबाज़ों, जालसाजी के हथकंडों, बैंकिंग में साइबर अपराधों, येस बैंक के उत्कर्ष एवं पतन, अनर्जक परिसम्पत्तियों के मकड़जाल आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है। साथ ही, बैंकों

के निजीकरण की गूंज, कृषि ऋणमाफी के अर्थशास्त्र, नोटबंदी, जन-धन योजना, रिजर्व बैंक की स्वायत्तता, डिजिटल बैंकिंग की बढ़ती लोकप्रियता एवं जोखिम आदि की आलोचनात्मक चर्चा की गई है।

देश में आज़ादी के बाद निजी और सरकारी बैंक दोनों थे, लेकिन, उनमें अनेक घोटाले हुए और कई बैंक डूबे भी। फिर भी, सरकारी बैंक अर्थव्यवस्था की प्रगति एवं व्यवसाय में वृद्धि में एक प्रमुख इंजन रहे। निजी बैंक आम लोगों के आसानी से खाते भी नहीं खोलते थे। जुलाई 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से आम जनता की बैंकों तक पहुंच बढ़ने लगी। इस दौर में अनेक बैंकों का विलय हुआ, जिसके कतिपय सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे। लेकिन धीरे-धीरे सरकारी बैंकों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, राजनीतिक हस्तक्षेप आदि से असली और फर्जी कंपनियों को अनाप-शनाप मात्रा में ऋण दिए गए, जिनमें से कइयों की वसूली नहीं हुई या आंशिक वसूली हो पाई। इससे सरकारी और निजी बैंकों दोनों को भारी घाटा हुआ।

1990 के दशक के आरंभ में उदारीकरण की नीति अपनाई गई और कुछ समय के बाद आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस (क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, चेकों का शीघ्र समशोधन, बीमा. म्यूचुअल फंड खोलना आदि) एच.डी.एफ.सी., आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, येस बैंक जैसे निजी बैंक लोकप्रिय हुए। निजी बैंकों के नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी ने सरकारी बैंकों के सामने तगड़ी प्रतिस्पर्धा पेश कर दी। इससे सरकारी एवं अन्य निजी बैंक भी नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी का सहारा लेने को विवश हुए। नतीजतन, सरकारी एवं निजी बैंकों की स्थिति में कुछ सुधार अवश्य दर्ज किया गया, लेकिन उदारीकरण की लहर में घोटालों-घपलों, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, राजनीति हस्तक्षेप का सिलसिला भी आगे बढ़ता गया। हर्षद मेहता, केतन पारिख के घोटाले और ग्लोबल ट्रस्ट जैसे बैंक के डूबने जैसे घटनाक्रम इसी काल में हुए।

मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल में पी.एन.बी. बैंक, पी.एम.सी. बैंक एवं अन्य सहकारी बैंकों, येस बैंक के घोटालों, महाघोटालेबाज़ों के विदेश भागने से भारी संकट पैदा हो गया था। बैंकों की अनर्जक परिसम्पत्तियों को बोझ रिकॉर्ड स्तर को छू गया। ऐसे में छोटे बैंकों का बड़े सरकारी बैंकों में विलय कर उनकी संख्या सीमित रखने की सराहनीय पहल की गई। इस बीच भारत के व्यापार में बेतहाशा वृद्धि जारी रही, जिससे बैंकों में तरलता बरकरार रखी जा सकी। रिजर्व बैंक की निगरानी को अधिक चुस्त-दुरुस्त किया गया। नोटबंदी, जन-धन योजना, आवास योजनाओं एवं आत्मनिर्भर भारत, मैन्यूफैक्चरिंग और अन्य सेक्टरों को भारी बढ़ावा मिला। इस बीच कोविड-19 की महामारी ने दस्तक दी, जिससे अर्थव्यवस्था को गहरा धक्का लगा। लेकिन, मोदी सरकार ने कुछ माह में ही आर्थिक मोर्चे पर नियंत्रण पाने के ठोस प्रयास किए। कोरोना महामारी के दौरान डिजिटल बैंकिंग के जरिए लेन-देन भारी मात्रा में बढ़ा, जिसने अब तक दुनिया में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यू.पी.आई. का देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी डंका बज रहा है।

इसके बावजूद बैंकों के स्वास्थ्य को लेकर निश्चिंत नहीं हुआ जा सकता। छिटपुट बैंक घोटाले अभी भी हो रहे हैं, डिजिटल बैंकिंग में फ्रॉड्स बढ़े हैं, बैंकिंग में साइबर अपराधियों का जाल लगातार फैल रहा है। इससे न केवल बैंकों, बल्कि खाताधारकों को भारी चपत लग रही है। इस मामले में फुलप्रूफ नियंत्रण अभी तक कायम नहीं पाया है। श्रीपाल जैन ने अपनी पुस्तक के निष्कर्ष में सही कहा है - 'वर्तमान में अधिकतर बैंक लाभ की ओर अग्रसर हैं। मोदी सरकार ने समस्याओं एवं चुनौतियों को अवसरों में तब्दील किया है, जिसमें रिजर्व बैंक की निगरानी का प्रमुख योगदान माना जा सकता है।' लेकिन, जब तक बैंकों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनियों या व्यक्तियों को ऋण देने और बैंकिंग में साइबर अपराधियों की घुसपैठ नहीं रोकी जाती, तब तक बैंकों की मजबूती और फुलप्रूफ सुरक्षा का सपना आधा-अधूरा ही रहेगा।

पर्यावरण

संदीप कुलश्रेष्ठ

हर साल वायु प्रदूषण से 7 प्रतिशत मौतें

हाल ही में एक लैंसेट स्टडी में यह खबर आई है कि हमारे देश में हर साल वायु प्रदूषण से 7 प्रतिशत मौतें हो रही है। देश के प्रमुख 10 शहरों में हर साल 33 हजार लोगों की पीएम 2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास के वायु प्रदूषण कण का स्तर अधिक होने से जान जा रही है। ये साल में होने वाली कुल मौतों का 7.2 प्रतिशत है। ये आँकड़े भयावह है। इस पर केन्द्र और राज्य सरकारों को गंभीरता से सोचने और उस पर नियंत्रण पाने की आवश्यकता है।

यह अध्ययन हमारे देश के प्रमुख 10 शहरों में किया गया है। उन शहरों का नाम है - नई दिल्ली, मुम्बई, बैंगलुरू, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद, कोलकता, वाराणसी और शिमला है। लैंसेट में इस प्रकार की स्टडी के अनुसार सबसे अधिक 11.5 प्रतिशत मौतें नई दिल्ली में हो रही है। सबसे कम मृत्युदर 3.7 प्रतिशत शिमला की है। इन सभी शहरों में अधिकांश समय पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ की निर्धारित सीमा 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रहता है। इन शहरों का एक साथ आंकलन करने पर हर 10 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर की वृद्धि से मृत्युदर में 1.42 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। इस अध्ययन के लिए सन 2008 से 2019 तक शहरों में हुई 36 लाख मौतों की जाँच की गई।

पहले वायु प्रदूषण सर्दी में ही होता था, किन्तु अब गर्मी में भी वायु प्रदूषण हो रहा है। पीएम 2.5 और पीएम 10 का उच्च स्तर साँस संबंधी समस्याएं, अस्थमा अटैक, और हृदय एवं रक्तवाहनियों से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा देता है। सामान्यतः सर्दियों के महीनों में विशेष रूप से बच्चे एवं बुजुर्गों में इन समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है। लेकिन अब गर्मी में पीएम 2.5 का स्तर बढ़ने से इन समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। यह खतरे की बात है।

बढ़ते प्रदूषण से हो रही मौतों के नियंत्रण के लिए जरूरी है कि केन्द्र और राज्य सरकारे केवल सर्दी के महीनों में ही वायु प्रदूषण को कम करने की तैयारी न करे, बल्कि पूरे साल के लिए नीति बनाए। इसके साथ ही इस नीति का सख्ती से पालन करना भी सुनिश्चित करें। इससे पूरे साल वायु प्रदूषण से हो रहे खतरे को रोकने में मदद मिल सकेगी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सारिका गुप्ता

लेखिका व्यंग्यकार हैं।

क्रोध का कैप्सुलीय संस्करण

क्रोध मानव स्वाभाव का उटपटांग किन्तु आवश्यक तत्व है। इसे कई प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है। ज़्यादातर लोग क्रोध आने पर या न आने पर या यूँ ही बोरियत के क्षणों में गाली प्रदान करके मन हल्का कर लिया करते हैं। गाली देना क्रोध की अभिव्यक्ति का एक सरल तथा अहिंसात्मक उपाय है। इसमें कोई चिकित्सीय खर्च भी नहीं आता और कलेजे को ठंडक भी मिल जाती है। गाली एक तरह से क्रोध का कैप्सुलीय संस्करण है, एक या दो गाली में ही मामला साफ़ हो जाता है कि आगे की लड़ाई में कितने हॉर्स पॉवर लगना है। गालियों की उत्पत्ति कब कैसे किन हालात में हुई, इस संबंध में कोई ढंग का वृतांत हमारे पास नहीं है। हम तो उस महापुरुष का नाम तक नहीं जानते जिसने पहली बार ब्रम्हांड में ऐसे ओजस्वी शब्दों का उच्चारण किया होगा। खैर, गालियों की उत्पत्ति जैसे भी हुई हो, शुक्र है हो गई, वरना मानव प्रजाति का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'मन की बात' कहे बिना ही मर जाता।

मुझे लगता है पहले भाषा की उत्पत्ति हुई होगी, फिर आपातकालीन परिस्थितयों में गालियों का अविष्कार किया गया होगा। वैसे भी आवश्यकता अविष्कार की मैया है। 'मैया' 'जननी' का ही पर्यायवाची है लेकिन यहाँ 'मैया' कहने से आवश्यकता की शक्ल बदल गई है, बल्कि टेढ़ी ही हो गई है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे आवश्यकता ने अविष्कार की मैया (ऐसी तैसी) कर दी हो, और ये सच भी है कि मनुष्य की भलती-भलती आवश्यकताओं के लिए भलते-भलते अविष्कार हो रहे हैं, लेकिन वो एक अलग मसला है, वो कहानी फिर सही। बहरहाल, 'मैया करना' अपने आप में एक भाषायी अविष्कार है, जिसका प्रयोग क्रोध की कोमलतम अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है। इसको बोलने से स्त्री पुरुष के अन्तरंग संबंधों पर सीधा प्रकाश नहीं पड़ता इसलिए इसे गाली की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। जिस प्रकार मांसाहार की अभिलाषा रखने वाले शुद्ध शाकाहारी लोग कटहल खाकर आत्मा को तृप्त किया करते हैं, वैसे ही बोलचाल में बिना गाली दिए जीवन व्यतीत करने वाले सात्विक मनुष्य इस प्रकार के मासूम अपशब्दों का प्रयोग करके जीवन निर्वाह कर सकते हैं।

आमतौर पर गालियाँ वही श्रेष्ठ मानी जाती हैं जिनके उच्चारण से स्त्री पुरुष के अंतरंग संबंधों पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता हो अथवा उनके किसी अंग विशेष का बोध होता हो। एक आदर्श गाली के लिए 'गाली दाता' का 'गाली गृहीता' के घर की स्त्रियों के साथ संबंध स्थापित करने का भाव पूरी तीव्रता से अभिव्यक्त करना आवश्यक होता है, ऐसा न होने पर गालियाँ तुच्छ मानी जाती हैं, बल्कि ऐसी गाली, गाली मानी ही नहीं जाती। ज़्यादा से ज़्यादा इसे भाषायी ज़ुकाम कह सकते हैं, मगर ये बवासीर तो कतई नहीं है।

भाषायी ज़ुकाम कभी भी, कहीं भी, किसी को भी हो सकता है। हमारे देश की संसद तथा राजनीतिक चौपालों में यह खासा लोकप्रिय है, वहाँ अक्सर लोग इस ज़ुकाम से छींकते हुए पाए जाते हैं और उसे ठीक करने के लिए कुछ लेते भी नहीं। वे तब तक छींकते हैं जब तक कि उनके (अप) शब्दों का संक्रमण देश के कोने कोने में न फ़ैल जाए। लेकिन इसका अर्थ ये नहीं कि हमारे यहाँ लोगों में संस्कार नहीं है। हमारे यहाँ आज भी ऐसे भद्र पुरुष मौजूद हैं जो महिलाओं के सामने किसी की माँ-बहन का स्मरण नहीं करते, वहाँ से थोड़ी दूर जाकर करते हैं। अब इससे ज़्यादा महिलाओं का सम्मान करने वाले लोग भला और कहाँ मिलेंगे! दरअसल, गाली एक परिस्थितिजन्य संस्कार है जो कहीं सिखाया नहीं जाता, फिर भी हम आत्मबल से उसे सीख लेते हैं। आजकल सभी छोटे-बड़े स्कूलों में जिस नफ़ासत से बच्चों को 'मैनर्स एण्ड एटिकेट्स' सिखाए जा रहे हैं, मुझे तो डर है कि कहीं भूलोक से गालियाँ विलुप्त ही न हो जाए। लेकिन ऐसा नहीं है, नई पीढ़ी को अपनी ज़िम्मेदारी का एहसास है और इसीलिए कूल दिखने वाले स्मार्ट बच्चे भी गटर छाप गालियाँ दे लेते हैं। इस मामले में लाड़ली बहना और बावरा भैरू सब एक समान है, आख़िर संविधान में भेदभाद के लिए जगह ही कहाँ है! अफ़सोस बस इस बात का है कि पापा की परियों को भी मम्मी के फ़रिश्तों वाली स्त्री सूचक पुरातन गालियों से काम चलाना पड़ रहा है, क्योंकि गालियों का अविष्कार पुरुष प्रधान समाज की देन है ऐसा माना जाता है। लेकिन वर्तमान में नारी भी प्रधान है, तो अब हमें नारी शक्ति के प्रयोग के लिए अलग से एक 'पिंक गालीकोष' विकसित करना होगा। आख़िर भाषा को समृद्ध करना हम सभी का दायित्व है। एक अच्छी भाषा वही है जो हमें हर हाल में अभिव्यक्त होने की सहूलियत दे। इस मामले में तमाम भारतीय भाषाएँ और क्षेत्रीय बोलियाँ भी समृद्ध हैं, वे हमें लड़ाई-झगड़े और मारा-कुट्टी जैसी विषम परिस्थितियों में भी अभिव्यक्त होने की सुविधा उपलब्ध कराती हैं। हम इस सुविधा का भरपूर लाभ भी लेते हैं। हम इतना और इस कदर अभिव्यक्त होते हैं कि सुनने वाले के कान से धुँआ निकलने लगे। इस प्रकार, गाली सुनने वाले और बोलने वाले दोनों का तापमान सामान्य हो जाता है, और हम ग्लोबल वार्मिंग से बच जाते हैं। इस प्रकार, पर्यावरण संरक्षण में भी गालियों का महत्वपूर्ण योगदान है। हालाँकि, खुलेआम जनसामान्य को गालियों से अभिभूत करना कानून की दृष्टि में संज्ञेय अपराध है, मतलब आपको बिना वारंट के भी धरा जा सकता है, मगर क़ानून कहे और हम मान जाएँ, ऐसे तो हालात नहीं... हम जान पर खेल जाएँगे, मगर विरासत के ये मोती लुटने न देंगे।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

रिश्तों का बहुआयामी स्वरूप, कुछ ऐसा भी...

कभी-कभी हमारे मन में किसी के प्रति इतना सम्मान होता है कि उसका कोई ओर-छोर नहीं होता। दरअसल हर व्यक्ति की पसंद का पैमाना अलग-अलग हुआ करता है। कभी किसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व इतना विशाल होता है कि उसके प्रभाव क्षेत्र का एक विस्तृत दायरा हुआ करता है। व्यक्ति का आचार-विचार और व्यवहार न केवल उन्हें जानने वाले अपितु उनके बारे में सुनने वालों को भी गहरे तौर पर प्रभावित कर सकता है। अनेक अवसरों पर हम स्वयं नहीं जानते कि सामने वाले जो हमारे बारे में जानते हैं, वह किस नजरिए से जानते हैं ? यह नजरिया सकारात्मक भी हो सकता है और नकारात्मक भी।

कभी-कभी ऐसा माना जाता है कि किसी का किसी से पूर्वजन्म का कोई न कोई रिश्ता है। जिसके चलते कोई किसी के प्रति सामान्य से अधिक आसक्ति या विरक्ति का भाव रखता है। खैर, वास्तविकता चाहे जो हो, लेकिन व्यवहार में ऐसा देखा जाता है कि परस्पर दो पक्षों के बीच भावनात्मक रिश्ते कुछ ऐसे बन जाते हैं कि जाहिर तौर पर उस रिश्ते की बुनियाद स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती। लेकिन रिश्तो का निर्वहन बखूबी किया जाता है। आमतौर पर हर किसी का किसी न किसी के प्रति भावनात्मक लगाव कुछ इस कदर होता है कि वह लोक-लाज, लाभ-हानि, यश-अपयश या और किसी प्रकार की औपचारिकता से भी बंधा नहीं होता।

कभी-कभी हमारे मन में किसी के प्रति इतना सम्मान होता है कि उसका कोई ओर-छोर नहीं होता। दरअसल हर व्यक्ति की पसंद का पैमाना अलग-अलग हुआ करता है। कभी किसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व इतना विशाल होता है कि उसके प्रभाव क्षेत्र का एक विस्तृत दायरा हुआ करता है। व्यक्ति का आचार-विचार और व्यवहार न केवल उन्हें जानने वाले अपितु उनके बारे में सुनने वालों को भी गहरे तौर पर प्रभावित कर सकता है। अनेक अवसरों पर हम स्वयं नहीं जानते कि सामने वाले जो हमारे बारे में जानते है, वह किस नजरिए से जानते है? यह नजरिया सकारात्मक भी हो सकता है और नकारात्मक भी।

कभी-कभी किसी की किसी के प्रति कोई धारणा उसके अच्छे या बुरे होने से नहीं होती, वह अकारण भी हो सकती है। यही वह बिंदु है जिसके आधार पर पूर्वजन्म के राग या द्वेष के रूप में देखा जाने लगता है। आमतौर पर आदतन अपराधियों की भी अदालत में जमानत देने वाले मिल ही जाया करते हैं। वैसे कोई भी व्यक्ति अपने आप में परिपूर्ण नहीं होता। ठीक इसी प्रकार बुरे से बुरा व्यक्ति भी किसी न किसी अच्छाई को धारण किए हो सकता है। यही नहीं अपितु गंभीर से गभीर अपराध के आरोपी कारावास में रहकर भी चुनाव में जनमत का बहुमत पाते देखे जा सकते हैं। गरज यह कि जो जैसा हो उसे वैसा माना जाए, यह कतई जरूरी नहीं होता।

वैसे भी संसार में सर्वगुण संपन्न होने की कोई पूर्व निश्चित कसौटी नहीं होती। व्यक्ति कितना ही गुणी क्यों न हो, हर किसी के लिए और हर एक दृष्टि से तो गुणी नहीं हो सकता। बहुत आसानी के साथ हर किसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगाया जा सकता है।

दरअसल इस दुनिया की रीत यही है कि हर एक किसी और को अपने ही व्यक्तिगत दृष्टिकोण के आधार पर आकलित करता है। एक समय में एक शख्सियत के व्यक्तित्व को देश काल और परिस्थिति के पैमाने पर आंका जाता है। अब यह जरूरी नहीं होता कि कालांतर में भी यही धारणा जनमानस रखें। आदि अनादिकाल से ऐसा ही सिलसिला लगातार चलते आ रहा है।

ऐसी स्थिति में बेहतर यही है कि हम अपने आप को आचार विचार और व्यवहार की दृष्टि से तराशने के प्रति निरंतर तत्पर रहे। लेकिन भूल कर भी यह भ्रम न पाले कि हमारा व्यक्तित्व हर किसी को रास आएगा ही आएगा। कई अवसरों पर हम दूसरों के द्वारा उपेक्षित किए जाने का अनुभव भी करते हैं। जबकि ऐसी कोई बात नहीं होती जिसके आधार पर हमारे व्यक्तित्व में नुक्स निकाले जाए। दरअसल कुछ लोगों की तो आदत ही ऐसी होती है कि उन्हें अच्छे से अच्छा आदमी भी कभी अच्छा नहीं लगता। ऐसा हर किसी के साथ हो है कि उनकी योग्यता को सामने वाला सर्वथा नजरअंदाज करता रहे। कुछ लोगों की तो फितरत ही ऐसी होती है कि महापुरुषों पर भी टीका-टिप्पणी करने से बाज नहीं आते।

वैसे भी अपेक्षा को ही दुख का कारण निरूपित किया गया है। हम अपने आप में अच्छे रहे, फिर चाहे हम जमाने को कैसे भी नजर आते हो। इसी में चित्त की शांति और सुकून है। कभी-कभी अपने आप का मूल्यांकन अपनी ही नजरों के आधार पर कर लिया जाना चाहिए। हमारी अंतरात्मा ही हमें अपना वास्तविक दर्पण दिखा सकती है। जब हम गलत करते हैं, हमारी अंतरात्मा ही हमें कचोटती है। जब हम अपनी ही नजर में खरे उतरकर अंतरात्मा की आवाज के अनुसार अपने जीने का अंदाज अपनाते है, तो स्वाभाविक रूप से हमारा आत्मबल इतना सशक्त हो जाता है कि फिर जमाने की परवाह नहीं किया करता।

सेहत

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक स्तंभकार हैं।

दवाओं से जीवन खतरे में

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में नकली दवाओं के उत्पादन और प्रसार का बाजार करीब 35 हजार करोड़ रुपए का है। इसी से यह समझा जा सकता है की देश में किस प्रकार नकली दावों का व्यापार निर्विघ्न रूप से फल फूल रहा है। एसोचेम का दावा है कि बाजार में बिकने वाली हर 4 में से 1 दवा नकली है। आम आदमी के लिए इनके असली या नकली होने की पहचान बहुत मुश्किल है। कहा ये भी जा रहा है बीमारियों से इतनी मौतें नहीं हो रही हैं जितनी नकली दवाओं के सेवन से हो रही हैं।

देश में बनने वाली अंग्रेजी दवाएं पिछले कुछ सालों से अपनी गुणवत्ता को लेकर सवालों के घेरे में हैं। देश में आये दिन घटिया और नकली दवाओं के जखीरे पकड़े जा रहे है जो साबित करते है आमजन का स्वास्थ्य खतरे में है। एक ताज़ा मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने पाया है कि भारत में उत्पादित 50 जीवनरक्षक दवाओं, जिसमें पैरासिटामोल 500 मिलीग्राम, कुछ विटामिन और कैल्शियम की गोलियों के साथ ही कुछ बेहद सामान्य दवाएं गुणवता की दृष्टि से सही नहीं है। इनमें पैरासिटामोल, हाईबीपी की दवा टेल्मिसर्टन, कफटिन कफ सीरप, दर्द निवारक दवा डाइक्लोफेनाक, मल्टी-विटामिन और कैल्शियम की गोलियां शामिल हैं जिनका उपयोग घर घर में किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन 50 दवाओं में से 22 का उत्पादन हिमाचल प्रदेश में होता है। राज्य दवा प्राधिकरण ने कथित तौर पर संबंधित दवा कंपनियों को नोटिस भेजा है और उनसे संबंधित दवा के पूरे बैच को बाजार से वापस लेने को कहा गया है।

मिलावटी पदार्थों की तरह नकली और घटिया दवाएं भी घर घर पहुंच गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शीघ्र ही भारतीय दवा बाजार 60.9 अरब डालर के स्तर को पार कर जाएगा। ऐसे में अपने मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर समय रहते सख्त कार्रवाई करनी होगी। आज के इस समय में नकली दवाइयां भी खूब मिलने लग गई हैं। ज्यादा पैसे कमाने के लालच में बाजार में नकली दवाइयों की बिक्री बढ़ गई है। बाजारों-अस्पतालों में घटिया और नकली दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नकली और घटिया

दवाएं बनाने की सबसे अधिक कंपनियां हिमाचल प्रदेश में है। इनमें से बहुत सी ऐसी कंपनियां सरकारी अस्पतालों में दवा की सप्लाई का ठेका लेती हैं। नकली दवाओं का सेवन करने से आपके शरीर में कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप मेडिकल स्टोर या ऑनलाइन वेबसाइट से दवाओं को खरीदते हैं तो इस स्थिति में आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। घटिया और नकली दवाओं को बनाना-बेचना भ्रष्टाचार ही नहीं हमारी सेहत के लिए एक बड़ा खतरा भी है। ऐसे में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत बनाकर ही नकली और मिलावटी दवाओं से निजात मिलेगी।गंभीर बीमारियों की छोड़िये, छोटी मोटी मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, एसीडीटी, रक्तचाप और गैस आदि भी यदि अंग्रेजी दवाओं से ठीक नहीं हो रही है तो आप सावधान हो जाइये क्योंकि इन दवाओं के नकली और घटिया होने का खतरा मंडरा रहा है। अनेक मीडिया रिपोर्ट्स में यह खुलासा किया गया है कि देशभर में नकली और घटियां दवाओं का धड़ल्ले से निर्माण हो रहा है जिसका पुख्ता प्रमाण सरकारी एजेंसियों की छापामारी से मिल रहा है। जाँच में ये दवाइयां नकली निकल रही है जो जनता के स्वास्थ्य से सरेआम खिलवाड़ है। आम आदमी जीवन रक्षक दवाओं में मिलावट की ख़बरों से खासा परेशान है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली अंग्रेजी दवाओं में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। ये दवाएं नामी ब्रांडेड कंपनियों की पैकेजिंग में बेची जा रही हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में नकली दवाओं के उत्पादन और प्रसार का बाजार करीब 35 हजार करोड़ रुपए का है। इसी से यह समझा जा सकता है की देश में किस प्रकार नकली दावों का व्यापार निर्विघ्न रूप से फल फूल रहा है। एसोचेम का दावा है कि बाजार में बिकने वाली हर 4 में से 1 दवा नकली है। आम आदमी के लिए इनके असली या नकली होने की पहचान बहुत मुश्किल है। कहा ये भी जा रहा है बीमारियों से इतनी मौतें नहीं हो रही है जितनी नकली दवाओं के सेवन से हो रही है।

सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद देश में घटिया और नकली दवाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लगाई जा सकी है, जिसके कारण देश के लाखों लोगों की सेहत सुधरने के बजाय बिगड़ रही है। भारत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है।

कविता

प्रकृति की लीला न्यारी,
कहीं बरसता पानी, बहती नदियां,
कहीं उफनता समंद्र है,
तो कहीं शांत सरोवर है।
प्रकृति का रूप अनोखा कभी,
कभी चलती साए-साए हवा,
तो कभी मौन हो जाती,
प्रकृति की लीला न्यारी है।
कभी गगन नीला, लाल, पीला हो जाता है,
तो कभी काले-सफेद बादलों से घिर जाता है,
प्रकृति की लीला न्यारी है।
कभी सूरज रोशनी से जग रोशन करता है,
तो कभी अंधियारी रात में चाँद तारे टिम टिमाते है,
प्रकृति की लीला न्यारी है।
कभी सुखी धरा धूल उड़ती है,
तो कभी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है,
प्रकृति की लीला न्यारी है।
कहीं सूरज एक कोने में छुपता है,
तो दूसरे कोने से निकलकर चोंका देता है,
प्रकृति की लीला न्यारी है।

– नरेंद्र वर्मा

विचार

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

प्रकृति देती है आदमी को हद में रहने की सीख

विधि या हद हमारी उपस्थिति को तय करती है । जब आदमी अपनी हद तय कर लेता है तो उसका विकास उसके होने का प्रमाण यहीं से तय होता है । आप कहां तक जा सकते हैं और कहां है यह सब आपको खुद तय करना होता है । जब आदमी अपनी हद तय करता है तो उसी के हिसाब से गति करता है । मनुष्यों की दुनिया एक दूसरे की हद को सम्मान देते हुए एक दूसरे को साथ लेकर चलते हुए आगे बढ़ती है । ऐसा नहीं होता की एक तो हिले ही नहीं और दूसरा सबको हिलाता ही चले, दूसरे ही चलते चलें । हम तो चलना ही नहीं सीखे भला इस संसार में कैसे चला जाता है इसे कौन बताएगा ? कोई दूसरी दुनिया से तो आयेगा नहीं कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें आपको तो जो करना है वो करिए । आप चलते चलिए आपके चलने में ही यह संसार है न कि दूसरे चलें और आपको चला मान लें । यदि इसी तरह काम चल जाता तो कोई भी भला चलने की कोशिश भी क्यों करता। कोई न कोई तो चलेगा ही पर हमें भी अपनी गति बनानी होगी और गति को दुनिया के समानांतर ही रखनी होगी तभी सही ढ़ंग से चल पायेंगे। यह संसार इसी तरह एक दूसरे की सीमा एक दूसरे की हद बनाता रहता है । आदमी को हद में रहना चाहिए हद में रहने की सीख प्रकृति देती है और जब आप हद पार करते हैं तो मुश्किल में पड़ जाते हैं । प्रकृति हमेशा से हद में रहना सीखाती है । प्रकृति की सीख को गंभीरता से लेने की जरूरत है । प्रकृति का अपना ही नियम संसार होता है । वह समय चक्र से चलती है । वहां समय से पहले कुछ नहीं होता और यदि कुछ समय से पहले या समय के बाद हो रहा है तो वह प्रकृति कम प्रकृति का खिलवाड़ हो जाती है । आज चारों तरफ इस तरह के दृश्य दिखते हैं कि हर कोई हैरानी में है और कह रहा है कि प्रकृति बदल गई है । वह बदला ले रही है । आज प्रकृति अपने विकराल रूप में रौद्र रूप में ज्यादा दिखाई देती है । प्रकृति की जो सत्ता थी जो प्रकृति का नियम था उसे हम अपनी प्रगति के क्रम में बार बार तोड़ते रहे हैं । यह अलग बात है कि प्रकृति की सत्ता के आगे किसी की कोई सत्ता नहीं है पर सब मद में डूबे इतरा रहे हैं इस दशा पर कामायनी कार प्रसाद जी ने लिखा है -

अरे अमरता के चमकीले पुतलो!
तेरे ये जय नाद;
काँप रहे हैं आज
प्रतिध्वनि बन कर मानो दीन विषाद।
प्रकृति रही दुर्जेय,
पराजित हम सब थे भूले मद में;
भोले थे, हाँ तिरते केवल,
सब विलासिता के नद में।
वे सब डूबे;
डूबा उनका विभव,
बन गया पारावार;
उमड़ रहा था देव-सुखों पर
दुःख-जलधि का नाद अपार । (चिंता सर्ग -प्रसाद)

अपनी प्रगति और विकास के चकाचौंध में लोगों को लगता ही नहीं कि प्रकृति की भी कुछ सत्ता है । चारों तरफ जो प्रकृति थी या जो प्राकृतिक अधिवास था उसको तोड़ते हुए हम अपने ही निर्माण में अपनी शक्ति को दिखा रहे हैं । यह सोचे बिना कि यदि प्राकृतिक जगहें नहीं होगी तो कौन अंधाधुंध

विकास को संभालेगा ? कौन बांधेगा कुपित मेघराज को ... कौन आसमान से बरसती जलराशियों को उनकी सीमा में रहना सीखायेगा और जब हमारे चारों तरफ हाहाकार मचाती जलराशि पछाड़ खाकर गिरती है तो बस हम असहाय होकर प्रकृति को देख रहे होते हैं । अभी पूरा देश बारिश में डूबा भी नहीं पर चारों तरफ बाढ़ और प्रलय का दृश्य दिख रहा है । इस दृश्यता के आगे आदमी की सत्ता कहां दिखती... विशाल जलराशि में सब ऐसे डूब जाता कि बस रेत का किनारा हो और उसी पर हम खड़े हों, अचानक जलराशियां आती हैं और बहा ले जाती हैं । यहां मनुष्य की असहायता देखते बनती है । वह कुछ नहीं कर सकता । बारिशों की ही बात क्यों करें अभी कुछ दिनों पहले की ही बात है पूरा देश तापाघात से परेशान था । तापमान 48 से 50 डिग्री होता जा रहा था और कोई भी हैरान परेशान कहीं भी गिर सकता था । इस तरह की तस्वीर और खबरें हैरान करती थी ।

आज जरूरत इस बात की है कि जो प्रकृति है जो प्राकृतिक सत्ता है उसका सम्मान करते हुए उसे जतन करें । उसे सहेजें जाने की जरूरत है । जो पहाड़ जो नदियां, जो तालाब पोखर और प्राकृतिक जल निकासी के रास्ते थे वे न केवल अपने अस्तित्व में रहे बल्कि उनके होने में ही हमारा अस्तित्व भी है इस बात को बहुत गहराई से समझने की जरूरत है । प्रकृति को छोड़कर या प्रकृति से किनारा कर हम एक क्षण के लिए भी अपने अस्तित्व की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं । क्या है हमारा अस्तित्व और हम कहां ठहरते हैं । पानी में उठे बुलबुले की तरह एक क्षण में कहां जाते हैं किसी को पता भी नहीं चलता । प्रकृति के साथ ही अस्तित्व है और यहीं पर सफलता भी आकार लेती है । आप अपनी प्रकृति छोड़कर किसी और की प्रकृति से चलेंगे तो कुछ भी हासिल नहीं होगा । सफलता का साम्राज्य मनुष्य को उसकी प्रकृति के हिसाब से मिलती है । अपनी प्रकृति में रहते हुए अपने स्वभाव में रहते हुए आप सफलता अर्जित करते हैं ऐसा नहीं हो सकता है कि आपका स्वभाव कुछ और है और आप किसी और क्षेत्र की सफलता हासिल कर लें । आज यह ज्यादातर दिखता है कि लोग-बाग अपनी मूल प्रकृति मूल स्वभाव को छोड़कर सफल होने की कोशिश करते रहते हैं क्योंकि वहां अन्य प्रसिद्ध हो गये इसके लिए अपने स्वभाव को छोड़कर बस भाग रहे हैं । बराबर ऐसे लोगों को लगता है कि हर उपलब्धि को खरीद लेंगे... इसके लिए बस पैसे के पीछे भाग रहे हैं । इसके आगे उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं देता । ऐसे लोगों के लिए ही कहा जाता है कि पैसे के पीछे पागल हो गये । पैसे के अलावा इन्हें कुछ भी दिखता नहीं । सच में ऐसे लोग सारे रिश्ते दोस्ती मित्रता सारे मूल्य ताक पर रखकर केवल इसलिए भागते हैं कि वो अकेले सफल हो जाएं । मूल्यपरक पदों से कोई पैसा रुपया मिलता तो है नहीं फिर कहते हैं कि मूल्य को लेकर अचार चाटेंगे? मूल्यों का क्या ये आते और जाते रहते हैं । पैसा रहेगा तो कोई भी काम हो जायेगा ।

मूल्यों को लेकर खुश होते रहिए कोई काम नहीं होगा । हमने बहुत दुनिया देखी है । सब धरा रह जाता है । सब पैसे वालों को महत्व देते हैं जिसके पास पद है, प्रतिष्ठा है , पैसा है - भला इस जमाने में कौन आचरण देखता है । आचरण की बातें पुराने जमाने की हो गई । आज तो अर्थ प्रधान युग है । अर्थ की ही महिमा है । जिसके पास अर्थ है उसी की ओर सब भाग रहे हैं । आज लोग-बाग आपकी उपस्थिति को नहीं , आपकी उपयोगिता को देखते हैं - आप लोगों के कितना काम आ सकते हैं कितना लोगों का काम कर सकते हैं ।यदि ऐसा नहीं कर सकते तो आपके आसपास कोई टिकेगा नहीं । दूर से ही लोग देख कर भाग जाते हैं या बचते हुए दिखेंगे । वैसे सही ढ़ंग से देखा जाये तो आदमी को आदमी की तरह और उसके मूल स्वभाव में में रहना चाहिए । जीव जंतु और प्रकृति अपना स्वभाव नहीं छोड़ते और आदमी को देखो तो पता नहीं किस होड़ में वह हर क्षण अपने स्वभाव को धार देकर नुकीला करता रहता है कि कब किसे चीर फाड़ दे। यह संकट सभ्यता के विकास क्रम में उतार चढ़ाव से भरी दुनिया में दिखावे की प्रवृत्ति के कारण बढ़ी है । संसार में ज्यादातर लोग इस बात के पीछे भागते दिखते हैं कि लोग किधर जा रहे हैं - जिधर जा रहे हैं उधर बस चल देते हैं । जबकि जरूरत इस बात की होती है कि कहीं जाने से पहले एक बार सोचें, स्वयं से पूछें कि क्या ठीक है ? क्या उचित है और क्या अनुचित है ? इन प्रश्नों पर विचार करते हुए जब कदम बढ़ाते हुए आगे बढ़ाते हैं तो स्वाभाविक है कि आप जो भी कार्य कर रहे हैं जिस स्थिति में है वहां आपको संतुष्टि होगी वहां पर आपके जीवन पुल को एक दिशा मिलेगी, एक सही संदर्भ मिलेगा ।

लव मैरिज का साइड इफेक्ट

पत्नी को बात करने के बहाने घर से बाहर बुलाकर केरोसिन डालकर लगा दी आग

- 70 फीसदी से ज्यादा झुलसी महिला को किया भोपाल रेफर
- पति से अनबन होने के कारण अपनी बुआ के घर सारणी में रह रही थी महिला
- पत्नी को जलाने वाला पति पुलिस हिरासत में

बैतूल। सारनी थाना क्षेत्र के पाथाखेड़ा में सोमवार की रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई, जिसमें पति ने पत्नी के ऊपर केरोसिन डालकर आग लगा दी। महिला को गंभीर हालत में घोड़ाडोंगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां पुलिस ने उससे बयान लिए। इसके बाद महिला को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के बाद उसे गंभीर हालत को देखते हुए फिर भोपाल रेफर किया गया। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। सारनी एसडीओपी रोशन जैन ने बताया कि पायल दांगी उम्र 21 साल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया था जहां घायल महिला ने बयान दिए कि उसके पति ने केरोसिन डालकर आग लगा दी। जिसके कारण पायल बहुत ज्यादा झुलस गई और उसकी हालत गंभीर हो गई। पुलिस ने रात में ही आरोपी पति चंद्रदेव बिहारी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एक साल पहले हुआ था प्रेम विवाह- पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी चंद्रदेव बिहारी के पिता सारणी की मठारदेव कालोनी में रहते हैं और चंद्रदेव बिहारी मंडीदीप में काम करता है और भोपाल के अशोका गार्डन में रहता है। एक साल पहले चंद्रदेव की पायल से शादी हुई थी। दोनों का अंतरजातीय प्रेम विवाह था और विवाह के कुछ दिनों बाद ही दोनों के बीच विवाद होने लगे और तीन माह पहले पायल ने अपने पति को छोड़कर पाथाखेड़ा शिवाजी नगर में बुआ के घर रहने लगी थी।

बात करने के बहाने बुलाया था बाहर- पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी चंद्रदेव अपनी पत्नी पायल से बात करने के लिए उसकी बुआ के घर गया था और उसने पायल को बात करने के बहाने बाहर बुलाया। इसके बाद उसने पायल के ऊपर केरोसिन डालकर आग लगा दी। इस घटना के बाद परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पायल को तत्काल उपचार के लिए घोड़ाडोंगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। फिलहाल पायल की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

शहर में सुचारू रूप से संचालित हो ट्रेफिक : हेमंत खंडेलवाल

- विधायक ने यातायात व्यवस्था का जायजा ले अधिकारियों को दिये दो-टूक निर्देश
- अतिक्रामकों के व्यवस्थापन की भी करें चिंता
- शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर लगेगी रोक, निर्धारित स्थानों पर खड़ी होंगी बसें

संजय द्विवेदी, बैतूल। अमरवाड़ा उप चुनाव से फ्री होते ही विधायक हेमंत खण्डेलवाल एक बार फिर एक्शन के मूड में आ गए। मंगलवार दोपहर को नपा के बाल मंदिर में बैतूल शहर के सुचारू यातायात, सौन्दर्यीकरण एवं अतिक्रामकों के व्यवस्थापन को लेकर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने अधिकारियों की बैठक लेकर यातायात व्यवस्था एवं व्यवस्थापन के कार्यो की समीक्षा की। आयोजित बैठक में बैतूल विधायक नें अधिकारियों को बैतूल नगर को सुंदर बनाने, यातायात के सुचारू संचालन एवं अतिक्रामकों के व्यवस्थापन के लिए अधिकारियों को दो-टूक निर्देश दिये। उन्होनें कहा कि यातयात के सुचारू संचालन के लिए सड़क किनारे का अतिक्रमण हटाकर अतिक्रामकों की रोजी रोटी की चिंता करते हुए उनका व्यवस्थापन भी करे। बैठक में बैतूल नपा अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, नपा उपाध्यक्ष महेश राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी , एसडीएम राजीव कहार,ई.ई पीडब्लूडी प्रीति पटेल, प्रभारी सीएमओ ब्रजगोपाल परते, नपा एई नीरज धुर्वे, पीडब्लूडी उपयंत्री अखिलेश कवड़े, कोतवाली टी.आई. देवकरण डेहरिया, बैतूलबाजार टीआई नीरज पाल, ट्रैफिक प्रभारी गजेन्द्र केन सहित राजस्व, नपा, पीडब्लूडी, पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद थे। बैठक के बाद बैतूल विधायक ने बडोरा, गेंदा चौक, कारगिल चौक का अधिकारियों के साथ पैदल भ्रमण कर यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं हो निर्मित- सोमवार को बडोरा में दो घंटे तक लगे मेगा ट्रैफिक जाम पर विधायक हेमंत खंडेलवाल ने मंगलवार को नाराजगी जाहिर करते हुए यातायात समिति को निर्देश दिए। उन्होंने बड़ोरा से गेंदा चौक तक अक्सर लगनें वाले ट्रेफिक जाम पर राजस्व, नपा, पीडब्लूडी, पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जाम के कारणों की समीक्षा करें तथा स्थाई रूप से ऐसी व्यवस्था बनायें जिससे ट्रेफिक जाम की स्थिती निर्मित न हो। बैतूल विधायक नें निर्देश दिये कि बसों का स्टापेज चौक चौराहा की बजायें सौ मीटर पहले बनाये, जिससे आवागमन सुचारू संचालित होता रहे।

फल मार्केट की करें व्यवस्था- सड़क के दोनों किनारों सहित चौक चौराहो पर लगी फलों की अस्थायी दुकानों से होने वाले ट्रेफिक जाम के स्थायी निराकरण के लिए बैतूल विधायक नें नपा के अधिकारियों को कारगिल चौक के समीप रिक्त भूमि पर फल मार्केट लगानें के निर्देश दिये। उन्होनें गेंदा चौक से कारगिल चौक तक अधिकारियों के साथ भ्रमण के फल मार्केट के लिए स्थल चयन कर यहा फल मार्केट लगानें के निर्देश दिये।

अभिनंदन सरोवर के पीछे करें व्यवस्थापन की प्लानिंग - बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें अधिकारियों से कहा कि शहर के सौंदयीकरण एवं आवगमन के सुचारू संचालन के लिए सड़क किनारे का अतिक्रमण हटानें के साथ ही अतिक्रामकों की रोजी रोटी की चिंता करते हुए उनके व्यवस्थापन के इन्तजामत भी करें। उन्होनें नपा के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अभिनंदन सरोवर के पीछे की भूमि पर अतिक्रामकों के व्यवस्थापन के लिए मार्केट बनानें की प्लानिंग करें। उन्होनें कहा कि बैतूल शहर का सौन्दर्यीकरण,यातायात का सुचारू संचालन के साथ ही अतिक्रामकों का व्यवस्थापन भी हमारी प्राथमिकता है। इसलिए व्यवस्थापन को लेंकर तेजी से काम करें।

बसें निर्धारित स्थान पर खड़ी करें, जगह-जगह खड़ा होना बंद करे- विधायक ने अधिकारियों का कहा कि शहर में यातायात अवरूद्ध होने का मुख्य कारण बसों का जगह-जगह खड़ा हो जाना है। बस स्टेण्ड से एजेंट रोड पर बसें खड़ी करते है। अब ऐसा नहीं चलेगा, बस खड़े रहने के लिए उन्होंने ट्रैफिक प्रभारी से दो टूक शब्दों में कहा कि निर्धारित स्थान तय कर बसें खड़ी की जाए। यदि इसके अलावा कहीं बस रूकती है तो सीधे जुर्माने की कार्रवाई करें। इसका सख्ती से पालन किया जाए और उन्हें अवगत कराया जाए। ट्रैफिक प्रभारी ने उन्हें इस बार में आश्वसत किया है कि बसों को खड़ा करने का स्थान शीघ्र तय कर लिया जाएगा।

भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध- विधायक ने कहा कि शहर में भारी वाहनों की आवाजाही के कारण यातायात व्यवस्था ठप हो रही है। मनमर्जी से भारी वाहन शहर में प्रवेश कर रहे है। इससे अक्सर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। व्यावसायिक क्षेत्र गंज में भी वाहनों के आवाजाही का समय निर्धारित नहीं है। बेरोकटोक वाहनों के आने के कारण आम लोगों को परेशान होती है। उन्होंने यातायात विभाग को निर्देश दिए कि भारी वाहनों का समय निर्धारित किया जाए, इसके लिए सूचना फलक भी शीघ्र लगाए जाए।

बडोरा पर लगा जाम, स्कूल बसें, एंबुलेंस और सैकड़ों वाहन फंसे रहे

बैतूल। कलेक्टर भले ही जन समस्याओं को हल करने के लिए बेहद संवेदनशीलता से काम कर रहे हैं, लेकिन उनका अमला इसे पलीता लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। बडोरा को जाम से मुक्त करने के लिए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बुलडोजर चलवा दिया था और सड़क के आसपास के अवैध कब्जे हटवाए थे। कार्रवाई हो गई और जनता ने कलेक्टर को साधुवाद भी दे दिया, लेकिन कुछ दिन बाद ही जनता प्रशासन को फिर कोसने लगी है। बडोरा चौक के आसपास फिर से सड़क घेरकर कारोबार होने लगा और जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखें बंद कर रखी हैं। इसका ही नतीजा है कि हर दिन कई घंटे सदर के गेंदा चौक से लेकर बडोरा में बैतूलबाजार और आठनेर मार्ग तक जाम लग रहा है। सोमवार को तो दर्जनों स्कूल बसें, एंबुलेंस और अन्य वाहन करीब दो घंटे तक जाम में फंसने के कारण खड़े रहे। जागरूक लोगों ने जब बैतूलबाजार थाना प्रभारी को जाम लगने की जानकारी दी, तब वे अपने स्टाफ के साथ पहुंचे और वाहनों की आवाजाही किसी तरह धीरे-धीरे प्रारंभ हो पाई। सोमवार को भी दो घंटे तक महाजाम लगा रहा, लेकिन यातायात पुलिस कहीं पर भी नजर नहीं आई। जब यातायात बहाल होने लगा, तब ओवर ब्रिज पर एक यातायात कर्मी रस्म अदायगी करते नजर आए।

आखिर प्रशासन क्यों हो रहा नाकाम - लोगों का कहना है कि जन समस्या के प्रति सख्त रवैया अपनाने वाले कलेक्टर जिस मंशा से काम कर रहे हैं, उसे उनके ही जिम्मेदार अधिकारी आखिर पलीता क्यों लगा रहे हैं, यह खोज का विषय है। सदर के गेंदा चौक को बस चालकों ने अवैध रूप से बस स्टापेज का अड्डा बना दिया है। चौक से प्रारंभ होने वाला जाम, ओवर ब्रिज से होते हुए बडोरा चौक तक पहुंच जाता है। ओवर ब्रिज से बडोरा चौक, आठनेर मार्ग और बैतूलबाजार मार्ग के दोनों किनारों पर स्थित दुकानों के संचालकों द्वारा सड़क तक सामान, बोर्ड रखकर कारोबार किया जा रहा है। इससे यातायात हमेशा अवरूद्ध होता रहता है। यदि अतिक्रमण हटाने की मुहिम के दौरान दुकान के सामने तक की पूरी जगह बुलडोजर से समतल कर सड़क बना दी जाती, तो आवागमन सुगम हो जाता । बडोरा चौक पर फिर पुराने दिन लौट आए लगते हैं।

पुलिस सहायता केंद्र के सामने सड़क पर रखा लोहा- बडोरा में बैतूलबाजार पुलिस का सहायता केंद्र तो है लेकिन यहां पर तैनात पुलिसकर्मी कभी भी यातायात अवरूद्ध होने पर सड़क पर नजर नहीं आते हैं। हद तो यह है कि पुलिस सहायता केंद्र के सामने सरकारी जमीन पर ही लोहा रखकर, व्यापारी कारोबार कर रहा है। सरकारी जमीन पर ही तौल कांटा स्थापित कर लिया गया है जिससे अक्सर लोहा नापने के दौरान वाहन खड़े रहते हैं और जाम लगना शुरू हो जाता है। बडोरा क्षेत्र के आर.के. फाते, रानू साहू, आनद राथोर सहित अन्य लोगों ने कलेक्टर से मांग की है कि वे एक बार निरीक्षण कर ठोस व्यवस्था बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दें, ताकि आम जनता को परेशानी का सामना न करना पड़े।

झूलेलाल मंदिर में चोरी से समाज के लोग आक्रोशित

बडोरा में भी चोरी, दुकानदार कह रहा चोरी हुई, पुलिस ना पर अड़ी

बैतूल। शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। चोर आसानी से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। ऐसे में पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल उठने लगे हैं। चोरों ने झूलेलाल मंदिर को निशाना बनाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया, यहां से पंडित के निवास से सोने-चांदी के आभूषण और मंदिर की दानपेटी से रूपए चोरी कर लिए। इधर बडोरा की शराब दुकान से चोरों ने नगदी सहित शराब की बोतलें चोरी की है। यहां की चोरी में दिलचस्प कहानी यह है कि दुकान संचालक कह रहा है कि चोरी हुई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि वहां कोई चोरी जैसे कोई सबूत नहीं मिले है। दोनों चोरी की घटनाओं की शिकायत पुलिस में की है। झूलेलाल मंदिर के पुजारी दिलीप शर्मा और मंदिर के सदस्यों ने गंज थाने में चोरी की शिकायत की है, जिसमें बताया गया कि पुजारी दिलीप शर्मा, गणेश वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर परिसर में ही निवास करते है। वे तीन वर्षो से मंदिर में पूजा अर्चना का काम कर रहे है। मंदिर का दरवाजा सुबह साढ़े छ बजे खोला जाता है और शाम को 7 बजे बंद कर दिया जाता है। पंडित तीन-चार दिन के लिए विवाह समारोह में शामिल होने के लिए बुरहानपुर गए थे। 7 जुलाई की रात्रि को अज्ञात चोरों ने मंदिर को निशाना बनाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। मंदिर की दानपेटी का ताला तोड़कर नगदी लगभग 30 से 35 हजार रूपए चोरी कर लिए। वहीं पुजारी के घर का दरवाजा तोड़कर घर के अंदर आलमारी में रखी तीन अंगूठी, एक मंगलसूत्र, सोने का पेंडल एवं नगदी 8 हजार रूपए चोरी कर लिए। जब अगले दिन सुबह अनिल हिराणी मंदिर पहुंचे तो उन्हें मंदिर की दानपेटी और पुजारी के घर का ताला टूटा मिला, इसकी सूचना पुजारी को दी गई। चोरी की घटना की शिकायत गंज थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर चोरों की तलाश शुरू कर दी, तीन दिन पहले बडोरा स्थित अंग्रेजी शराब दुकान में चोरों ने धावा बोलकर चोरी को अंजाम दिया है। दुकान संचालक चोरी की घटना होने की बात कह रहे है। वहीं बैतूलबाजार पुलिस का कहना है कि शराब दुकान में कोई चोरी जैसे कोई सबूत नहीं मिले है। शराब दुकान के संचालक शेरू खान ने बताया कि तीन दिन पहले अज्ञात चोरों ने के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। दुकान से चोरों ने लगभग 14 से 15 शराब की बोतल और नगदी रूपए पर हाथ साफ कर दिए। इस चोरी की घटना में लगभग 50 हजार से अधिक का नुकसान हुआ है। इसकी शिकायत बैतूलबाजार थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण भी किया। चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने दुकान के ताले तोड़कर अपने साथ लेकर गए, ताकि किसी को भनक नहीं लगे कि चोरी की घटना हुई है। बैतूलबाजार थाना प्रभारी श्री पाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। दुकान में कोई चोरी नहीं हुई है, पुलिस को चोरी होने जैसे कोई सबूत नहीं मिले। दुकान संचालक द्वारा दुकान में ताले नहीं लगाए थे, वे शटर बंद कर घर चले गए थे। चोरी जैसी कोई घटना नहीं हुई है।

नदी के बीच बाढ़ में फंसी महिला, वीडियो देख आप भी हो जायेंगे हैरान

बैतूल। सोमवार को तेज बारिश से नदी नाले उफान पर आ गए है। जिले के भीमपुर विकासखंड के खारीढाना में भी नदी में बाढ़ आ गई। इस बाढ़ में खारीढाना की एक महिला फंस गई, बीच नदी में फंसी महिला को ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए सुरक्षित बचा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खारीढाना निवासी साधना पति मिथिलेश उईके लकड़ी लेने गई थी। सोमवार को 3 से 4 बजे के बीच यह महिला खारीढाना के पास नदी में आई तेज बाढ़ के बीच फंस गई। समय रहते यह रेस्क्यू नहीं किया जाता तो बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया सकता था।

ग्रामीणों ने महिला की बचाई जान- रेस्क्यू करने वाले ग्रामीणों में शामिल लक्ष्मीनारायण बनदिए उर्फ चिंटू ने बताया कि सोमवार को तीन से चार बजे

के बीच खारीढाना में बच्चों ने महिला के नदी में बाढ़ के बीच फंसने की जानकारी दी। जिसके बाद ग्राम के नीलेश परते उर्फ डोमा कमर में रस्सा बांधकर नदी में उतर गया और महिला को बचाने रेस्क्यू को लीड किया। इस दौरान लक्ष्मीनारायण सहित गांव पप्पू धुर्वे, सुनील कुमरे, मनीष, गेंदराव बनधिए एवं लक्ष्मीनारायण उर्फ चिंटू बनधिए ने महिला को बाढ के बीच से सुरक्षित निकाला। गौरतलब है कि भीमपुर एवं आसपास के क्षेत्र में तेज बारिश नहीं हुई लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि उपरी क्षेत्रों में बारिश होने की वजह से भीमपुर क्षेत्र की इस बरसाती नदी में अचानक बाढ़ आ गई जिससे महिला बाढ़ के बीच फंस गई। प्रशासन द्वारा भी बारिश के दिनों में नदी-नालो और झरनों से दूर रहने के लिए चेतावनी दी जाती है। भीमपुर के खारीढाना का यह हादसा एक सबक है कि बारिश के दिनों में बाढ़ कब आ जाये यह कहा नहीं जा सकता। बहरहाल महिला सुरक्षित है और पूरे ग्राम एवं क्षेत्र में रेस्क्यू करने वाली टीम की सराहना हो रही है।

कानून ही नहीं बदले पुलिस के तौर-तरीके भी बदल रहे हैं

पाठ्यक्रम में शामिल हो कानून की पढ़ाई : पं. उपाध्याय

- नए कानून की संगोष्ठी के मौके पर विधायक हुए शामिल
- एडिशनल एसपी ने कहा कानून की परीपालना में आमजनता की भागीदारी भी बढ़ेगी

आमला । देश में पहली बार ऐसा हो रहा है जब भारत ही नया नहीं हो रहा है, बल्कि कानून भी और कानून की परीपालना के तौर तरीके भी बदल रहे हैं, अब देश में कई नए कानून, नई संहिता और पुलिस के कामकाज के तरीके भी बेहद आधुनिक हो रहे हैं। उक्त वक्तव्य मंगलवार को शहर के प्रतिष्ठित लॉयर पंडित राजेंद्र उपाध्याय ने जिला पुलिस द्वारा नए कानून की जानकारी को आमजनों को उपलब्ध कराने के लिए आयोजित संगोष्ठी के दौरान कहे।

स्थानीय जनपद सभागार में आयोजित संगोष्ठी में पंडित उपाध्याय ने देश में लागू हुए नए कानून पर कहा की इन नए कानून से आम लोगों की जिम्मेदारियां भी तय की जाएगी, अब देश में गुलामी की दुशाला ओढ़े दंड संहिता को न्याय संहिता में परिवर्तित कर दिया गया है, जिससे लोगों में कानून के प्रति विश्वास और बढ़ेगा। पंडित उपाध्याय ने यहां ब्रिटिश कालीन कानून का जिक्र करते हुए कहा कि ब्रिटिश सरकार द्वारा 1860 में बने कानून को लागू करने में 14 बरस लग गए थे, किंतु देश के प्रधानमंत्री का यह करिश्मा है कि देश में नए कानून को बनाकर महज एक साल में लागू करके भी दिखाया है। इस मौके पर जिले की एडिशनल एसपी कमला जोशी सारणी के एसडीओपी श्री जैन के अलावा इलाके के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने भी नए कानून की जानकारी संगोष्ठी में रखी। उल्लेखनीय है कि बीते 30 जुलाई से भारतीय अधिनियम में कई बदलाव किए गए हैं, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से एफ.आई.आर. और देश में कहीं से भी मामले की शिकायत ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीकों से की जा सकेगी। इसके अलावा कई अपराधों में कानून अब सख्ती से कार्रवाई कर सकेगा। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य लोगों तक जल्द से जल्द नए कानून की जानकारी उपलब्ध कराना है। इस मौके पर प्रदीप ठाकुर,हेमंत गुगनानी,संजय साहू,शैलेंद्र राठौर, मयूर सूरजेकर, अनिल सोनी, मनोज विश्वकर्मा, डॉ. बी. पी. चोरिया, दुर्गाप्रसाद जोंजारे, राकेश शर्मा सहित कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।

शहर के मुख्य मार्गो पर जमा हो रहा नाली का पानी

कोठीबाजार मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र पर बस स्टैंड से लक्ष्मी चौक जाने वाली रोड पर नाली चौक, बदबू फैलने से लोग परेशान

फैल रही बदबू, बीमारियों का बढ़ा खतरा

मामला- 1

संजय द्विवेदी, बैतूल। स्वच्छता में बैतूल को नंबर वन बनाने का दिवास्वप्न देख रही नगर पालिका परिषद बैतूल की खस्ताहाल नालिया और मुख्य सड़कें ही विभाग को आईना दिखाने का काम कर रही हैं। बस स्टैंड से लक्ष्मी चौक की तरफ जाने वाली मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र की रोड पर भी पीटीसी सुपर बाजार के सामने की नाली पिछले कई महीनों से बुरी तरह से चौक है। जिसकी सफाई भी लम्बे समय से नहीं होने से यहां जबरदस्त तरीके से बदबू फैल गई है और मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र होने के चलते यहां के दुकानदार तथा बड़ी संख्या में आने-जाने, गुजरने वाले लोग बुरी तरह से परेशान है। नगर पालिका में यहां के दुकानदारों ने कई बार शिकायत भी की, लेकिन अभी तक न तो कोई ठोस कार्रवाई हुई और न हीं कोई सुनवाई हो रही है। दुकानदार आशु दुबे ने बताया कि शहर के मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र के मार्ग पर स्थित इस नाली को नगर पालिका के द्वारा ही अतिक्रमण हटाने के नाम पर तोड़ा गया था, अब नाली के ऊपर किसका अतिक्रमण था, यह तो नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी ही बता सकते हैं, जिन्होंने

नाली को बिना सोचे-विचारे तोड़ दिया है जो कि अब बरसात में लबालब तरीके से भरकर बुरी तरह से चौक होकर मुसीबत बनी हुई है और तो और इसको साफ करने का नाम भी नगर पालिका के कर्मचारी नहीं ले रहें है। दुकानदार संजीव जैन ने बताया कि लम्बे समय से नाली चौक होकर ओवरफ्लो होने से उनकी दुकान के सामने की पूरी लाइन में गंदगी फैली हुई है, और पानी जमा होने से मलेरिया और डेंगू के मच्छर सब दूर फैल रहे हैं। इससे बीमारियों का अंदेशा भी बढ़ गया है। इसकी शिकायत स्थानीय दुकानदारों/ निवासियों ने नगर पालिका में जाकर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों और पार्षद को कई बार की है परन्तु नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों के कान में जूं तक नहीं रेंग रहीं हैं।

मामला- 2

गंज व्यावसायिक क्षेत्र में मुख्य मार्गो पर जमा हो रहा नाली का पानी

बारिश होने पर देखते ही देखते रोड बन जाती तालाब

बैतूल। कोठीबाजार व्यावसायिक क्षेत्र के अलावा गंज के भी मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र की रोड पर भी बारिश का पानी ओवरफ्लो होने से रोड तालाब में तब्दील हो जाती हैं। गंज मस्जिद से परशुराम चौक तक सड़क का निर्माण हो रहा है लेकिन पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। मस्जिद से बाबू चौक के मध्य बारिश होते ही नाली का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर जमा हो जाता है और देखते ही देखते तालाब बन जाता है। जिससे बदबू फैलने के साथ ही बीमारियां हो रहीं हैं। इसकी शिकायत स्थानीय रहवासियों ने नगर पालिका में संबंधित

अधिकारी-कर्मचारियों और पार्षद को कई बार की है परन्तु नगर पालिका के अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंग रहीं हैं। विगत माह नगर पालिका के कर्मचारी आए और थोड़ी बहुत सफाई करवा कर चले गए आज फिर हालात जस के तस बने हुए हैं। प्रभारी सीएमओ ब्रजगोपाल परते ने आश्वासन दिया है कि दो दिनों में नाली की समस्या से निजात दिला दी जाएगी। गणेश वार्ड पार्षद विजय जसूजा ने बताया कि नाली का मार्ग सकरा हो गया है जिसके कारण पानी की निकासी में समस्या आ रही है। श्री जसूजा ने कहा कि वे नपा अधिकारियों से बात कर नाली के पानी की निकासी की दिक्कत का निदान करने का शीघ्र प्रयास करेंगे। पानी भरे रहने से छोटी मोटी दुर्घटना हो रहीं हैं और बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। साथ ही वाहनों के गुजरने से पैदल चलने वालों पर नाली का गंदा पानी उछल रहा है। वार्डवासियों ने समस्या से तत्काल निजात दिलाने की मांग की है।

जिले में अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों के विरूद्ध छापामार कार्यवाही

धार । जिले में अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों के विरूद्ध छापामार कार्यवाही की जा रही है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में विगत दिवस पीथमपुर के रहवासी क्षेत्र में स्थित बर्तन की दुकान में अवैध गैस रिफिलिंग के कारण हुई गैस सिलेंडर विस्फोट की घटना को संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन की टीम द्वारा इस प्रकार के अनैतिक कार्य करने वाले के विरुद्ध लगातार छापामार कार्यवाही की जा रही हैं। छापामार कार्यवाही के दौरान छात्रछाया कालोनी पीथमपुर में स्थित आगजनी हुई बर्तन की दुकान एवं भवन मालिक सुदामी देवी पति चितरंजन गुप्ता एवं पुत्र प्रवीण गुप्ता पिता चितरंजन गुप्ता तथा पवन गुप्ता पिता चितरंजन गुप्ता, निवासी 129 छत्रछाया कॉलोनी, पीथमपुर, पीथमपुर सेक्टर 3 स्थित मोयरा सरीया फेक्ट्री के सामने किराना गुमटी के मालिक शुभम पिता बद्रीलाल पटेल, निवासी बगदून, पीथमपुर, पीथमपुर सेक्टर 3 स्थित मोयरा सरीया फेक्ट्री के सामने गुमटी के मालिक नितेश सिंह पिता गब्बर सिंह निवासी बगदून पीथमपुर, धाकड किराना स्टोर पावरहाउस के पास सागौर पीथमपुर, किराना स्टोर के मालिक भारत धाकड पिता करणसिंह धाकड निवासी छोटी सागौर पीथमपुर, आयुष किराना स्टोर के मालिक निलेश चौहान पिता पन्नालाल चौहान, निवासी ओम शांति धाम, बगदून पीथमपुर तथा राज पिता राम राठौर निवासी वैष्णव कालोनी पीथमपुर के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज करवाई गई हैं। इसके अलावा ग्राम कल्याणपुरा बाकानेर तहसील मनावर में घरेलू गैस सिलेंडर का अवैध भंडारण करने, रिफिलिंग करने व विक्रय करने के कारण मकान मालिक राकेश पिता छगन राठौर एवं पूर्णिमा गैस एजेंसी के संचालक राजेन्द्र अलावा एव प्रबंधक सचिन अलावा के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही हैं।

2 पेट्रोल पंप संचालकों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध

धार । जिला प्रशासन द्वारा जिले मेंसंचालित पेट्रोल पंपों की निरंतर जाच, कार्यवाही की जा रही है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जांच, कार्यवाही के दौरान राजगढ सरदारपुर में संचालित चारभुजा पेट्रोल पंप पर स्टॉक अंतर होना पाये जाने के कारण चारभुजा पेट्रोल पंप से 7522 लीटर पेट्रोल को जप्त किया जाकर संचालक के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार गंधवानी मेंसंचालित आईजी किसान सेवा केन्द्र पंप गंधवानी द्वारा पेट्रोल, डीजल का नियमानुसार स्टॉक रजिस्टर संधारित नहीं किये जाने कारण संचालक के विरूद्ध प्रकरण निर्मित किया गया। इस प्रकार दोनों पंपों के संचालक के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। जॉच कार्यवाही जिला आपूर्ति अधिकारी के निर्देशन में सहायक आपूर्ति अधिकारी एसआर बरडे एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राहूल मंडलोई द्वारा की गई।

नन्ही बिटिया हंसिका व गार्गी जोशी ने 201 पौधे लगा कर सहेजने का लिया संकल्प

● एक वृक्ष मां के नाम प्रधानमंत्री के संकल्प से प्रभावित होकर किया पौधारोपण

धार । एक वृक्ष मां के नाम प्रधानमंत्री के संकल्प से देश- प्रदेश में हर वर्ग प्रभावित होकर दृढ़ संकल्प के साथ पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ बढ़-चढ़कर पौधारोपण कर रहे है। एक वृक्ष मां के नाम प्रधानमंत्री के संकल्प से प्रभावित होकर नन्ही बिटिया हंसिका व गार्गी जोशी ने 201 पौधे लगा कर उन्हें सहेजने का संकल्प लिया।

नन्ही सी इन बिटियाओं के संकल्प की सर्वत्र सराहना की जा रही है। ये दोनों बिटिया धार के प्रतिष्ठित जोशी परिवार के वरिष्ठ समाजसेवी नारायण जोशी की पोतियां है। एक वृक्ष मां के नाम हमारे प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने लिए नीम, आम, पीपल सागवान के 201 पौधे लगा कर सहजने का संकल्प बिटिया एवं पूरे परिवार ने लिया।

भाजपा ने स्व. कमलसिंह चंदेल को दी श्रद्धांजलि

बैतूल। भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेश्वर सिंह चंदेल के पिता स्व. कमलसिंह चंदेल के आकस्मिक निधन पर भाजपा परिवार ने शोक संवेदना व्यक्त की है। विदित हो कि श्री चंदेल कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। श्री चंदेल के असामयिक निधन पर जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुख की इस घड़ी में ईश्वर से दिवंगत की शांति एवं चंदेल परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना परमपिता परमेश्वर से की। शोक संवेदना व्यक्त करने वालो में केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके, जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, विधायक बैतूल हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, विधायक महेन्द्र सिंह चौहान, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नपाध्यक्ष बैतूल पार्वती बाई बारस्कर सहित समस्त भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता गण इत्यादि प्रमुख है।

भगवान जगन्नाथ रथारुढ़ होकर भक्तों को दर्शन देने निकले, तो भक्तों ने रास्ते भर रस्सा पकड़कर रथ को खींचा..

नर्मदापुरम । भगवान जगन्नाथ आज भक्तों को दर्शन देने स्वयं रथारुढ़ होकर बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम जी के साथ नगर भ्रमण के लिए निकले.. इस्कॉन मंदिर परिवार द्वारा तृतीय वर्ष निकाले गए रथयात्रा में शामिल होने वालों का न टूटने वाला तांता लगा रहा। आईटीआई स्थित श्रीराम मंदिर से प्रारंभ हुई रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत सत्कार हुआ, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया द्वारा भाजपा कार्यालय के सामने, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव द्वारा सतरास्ते पर इसके साथ ही सतरास्ते पर नगर कोतवाल ने नगर की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की, विश्व प्रसिद्ध नर्मदा घाट पर पूर्णिमा और विशेष अवसरों पर मां नर्मदा की आराधना कर नगरवासियों को भक्ति से जोड़ रहे प्रशांत दुबे भी अपने मित्र राजेश अत्रे हजारों भक्तों की भीड़ में के शामिल हुए, तेज गर्मी और उमस के बावजूद रथयात्रा को लेकर भक्तों के उत्साह में कोई कम नहीं कर पाई, विवेकानंद घाट पर पूर्व पार्षद प्रमोद सोनी ने पूजा अर्चना की, निश्चित मार्ग पर चलते हुए गन्तव्य पहुंची भगवान रथयात्रा रात नौ बजे पहुंची। यात्रा के दौरान मृदंग, करताल और करतल के साथ रास्ते भर श्री हरि नाम संकीर्तन होते रहा, रथ से जगन्नाथ दास प्रभु भक्तों को रास्ते भर प्रसाद वितरण करते रहे। रथयात्रा की सफलता के लिए मदद करने में मंदिर परिवार ने नगरपालिका प्रशासन सहित देहात थाना, नगर कोतवाली, सहित सम्पूर्ण पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया जिन्होंने रथयात्रा को सफल बनाने भरपूर सहयोग ।

जिले के वयोवृद्ध शिक्षाविद् एन.पी. शर्मा का 98वें जन्मदिवस पर लालबाग पेंशनर्स ग्रुप द्वारा सम्मान किया गया

धार। जिले के वयोवृद्ध शिक्षाविद् एन.पी. शर्मा का 98 वें जन्मदिवस पर लालबाग पेंशनर्स ग्रुप ,धार द्वारा लाल बाग परिसर में एक गरिमामय समारोह में सम्मान किया गया। ग्रुप के अध्यक्ष कैलाश चंद्र मालवीय ने समारोह को संबोधित करते हुए शर्मा जी के शिक्षकीय कार्यों की सराहना करते हुए नयी पीढ़ी के शिक्षकों को उनके जैसे श्रेष्ठ कार्यों का भाव अपने निज जीवन में आत्मसात करने की बात कही। इस अवसर पर व्यवसायी एवं समाजसेवी नारायण कुबेर जोशी सहित ग्रुप के समस्त सदस्यों नरवर सिंह ठाकुर, गौरी शंकर वर्मा, महेश चंद्र माहेश्वरी, शंकरलाल जाट, अशोक कुलकर्णी, बाबूलाल गोयल, प्रभाकर खामकर, मनमोहन जोशी, केशर सिंह पांडव, गजेन्द्र सिंह राठौर, आनन्दी लाल वर्मा, सुमेर सिंह सोलंकी, कैलाश चंद्र पनसेरिया, प्रकाश चौहान, बृज किशोर बोड़ा सहित उनके पुत्र प्रत्यक्ष यादव ने श्री शर्मा जी को शाल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य तथा दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित की।ज्ञ कार्यक्रम में स्वल्पाहार के साथ उपस्थित सभी सम्माननीय अतिथियों के प्रति आभार मधुकर कुटे ने व्यक्त किया। जानकारी ग्रुप के सदस्य किशोरी लाल डांगी ने दी।

180 प्रकरणों पर अपर कलेक्टर विकास श्री अक्षत जैन ने की जनसुनवाई

बैतूल। अपर कलेक्टर (विकास) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन ने मंगलवार को जनसुनवाई में 180 प्रकरणों पर कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए। जनसुनवाई में सर्वाधिक राजस्व के प्रकरण प्राप्त हुए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद, एसडीम राजीव कहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निजी कृषि भूमि पर अवैध कब्जा – जनसुनवाई में घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम शक्तिगढ़ निवासी कृषणपद पिता शिवराम ने आवेदन के माध्यम से बताया कि ग्राम शक्तिगढ़ में स्थिति कृषि भूमि पटवारी हल्का नंबर 5 एवं खसरा नंबर 105.1, रकबा 0.8270 हे., 194.1 रकबा 0.0950 हे., 520.1 रकबा 0.1580 हेक्टेयर पर कृषि कार्य करते थे। उक्त कृषि भूमि पर बड़े भाई के बेटे सूरज पिता सदानंद, आकाश पिता सदानंद, मैना पिता सदानंद, आयना पितां सदानंद, ज्योत्सना पिता सदानंद, ईसामत पिता सदानंद के द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। आवेदक ने बताया कि उन्होंने खेती के लिए लोन लिया है और बोनी करने के लिए खाद भी ली है। यदि बोनी नहीं करेंगे तो लोन नहीं चुका पाएंगे। आवेदक ने जांच कर भूमि से अवैध कब्जा हटवाने का आग्रह किया। प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर विकास अक्षत जैन ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को उचित कार्रवाई किए जाने के निर्देश प्रदान किए।

61 हजार रुपए दिलवाने की मांग –आठनेर के ग्राम धामोरी निवासी रामदेव पिता रामा चरपे ने बताया कि उन्होंने 3 वर्ष पूर्व आठनेर निवासी बुद्धु राठौर को सोयाबीन बेची थी, जिसकी कीमत 86 हजार रूपए थी। आवेदक ने बताया कि बुद्धु राठौर द्वारा सोयाबीन की राशि उन्हें नहीं दिए जाने पर आठनेर थाना में शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत के बाद 25 हजार रूपए दिए। परंतु शेष बचे 61 हजार रूपए आज दिनांक तक नहीं दिए गए। पैसे मांगे जाने पर राठौर के द्वारा धमकी दी जा रही है। आवेदक ने बुद्धु राठौर से 61 हजार रूपए दिलवाए जाने की गुहार लगाई। आवेदन पर अपर कलेक्टर (विकास) जैन ने भैंसदेही एसडीएम को आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए।

नौकरी दिलवाए जाने की लगाई गुहार – जनसुनवाई में घोड़ाडोंगरी के ग्राम चिखली माल निवासी पूनम विश्वकर्मा ने नौकरी दिलवाए जाने की गुहार लगाई। आवेदन के माध्यम से बताया कि व्यापम वर्ग-3 की परीक्षा उन्होंने 90 नंबर के साथ पास की थी। बावजूद चयनित लिस्ट में उनका नाम नहीं था। जबकि वे विकलांग कोटे से है। नौकरी नहीं होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक ने प्राथमिक या माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक की पोस्ट प्रदान किए जाने की मांग की।

शासकीय योजना का लाभ देने – आमला निवासी भगवंती पंडाग्रे ने आवेदन में उल्लेख किया कि ग्राम आरूल खसरा नं.88ध्4 रकबा 0.4050 में कृषि भूमि है। वर्षाकाल में ग्राम पंचायत आरूल एवं ग्राम के निस्तार का पूरा पानी कृषि भूमि में जाता है। जिससे पूरी कृषि भूमि नाला जैसे गड्ढों में तब्दील हो जाती है। ऐसे में कृषि कार्य भी नहीं हो पा रहे है। आवेदिका ने बताया कि इस संबंध में वर्ष 2009 से कृषि भूमि को हुए नुकसान संबंधी आवेदन प्रशासन को दिए गए, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्राप्त आवेदन पर संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद ने संबंधित अधिकारियों को मौका स्थल पर भेजकर समाधान निकालने के निर्देश दिए।

जिले की शैक्षणिक संस्थाओं में किया जा रहा पौधारोपण

छात्र- छात्राओं ने लिया पौधों की सुरक्षा का संकल्प

नरसिंहपुर। जिले के सभी शासकीय अशासकीय विद्यालयों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यवहार के मार्गदर्शन में पौधों की सुरक्षा के संकल्प के साथ वृहद स्तर पर छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर वायुदूत एप पर पंजीयन किया जा रहा है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जिला शिक्षा केन्द्र में पौधारोपण किया गया। इसी तरह जिले के अन्य स्कूलों में भी पौधारोपण किया गया। जिसमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में सत्र न्यायाधीश श्री अरविंद मीणा जी द्वारा शाला परिसर में आंवला एवं अमरूद का पौधारोपण कर छात्र- छात्राओं को पर्यावरण में पौधों का महत्व बताते हुए पौधे लगाने के साथ- साथ पौधों को संरक्षित रखने की बात कही। उक्त अवसर पर प्राचार्य रजनीश जैन, शिक्षक एवं छात्राओं द्वारा 20 पौधें रोपित किये गये। शासकीय हाईस्कूल सहावन में प्राचार्य डॉ. सुशील शर्मा, स्टाफ एवं छात्र- छात्राओं द्वारा, शासकीय हाईस्कूल पचामा में प्राचार्य राजेश गुप्ता एवं छात्र- छात्राओं द्वारा, शासकीय हाईस्कूल वेदू में, शासकीय हाईस्कूल नयाखेड़ा में प्राचार्य श्रीमती विनीता पाण्डे स्टाफ एवं छात्र- छात्राओं के द्वारा शाला परिसर में पौधारोपण किया गया। विकासखण्ड चावरपाठा के एकीकृत हाईस्कूल छीतापार में, विकासखण्ड चीचली के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यक्रम में 501 पौधों का रोपण किया गया और शासकीय हाईस्कूल नयागांव में प्राचार्य श्रीमती प्रीति नेमा एवं शिक्षक-

शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों द्वारा शाला परिसर में सुरक्षित चार दीवारी में 100 पौधों का पौधारोपण किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कठौतिया में प्राचार्य श्री महेश कतिया द्वारा छात्र- छात्राओं को पर्यावरण में पौधों के महत्व को बताते हुए पौधों के सुरक्षा का संकल्प लिया। शासकीय कन्या एवं बालक उच्चतर माध्यमिक आमगांव बड़ा, एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया (श्रीनगर), एकीकृत शासकीय हाईस्कूल रीछई, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंहपुर बड़ा, शासकीय हाईस्कूल रमखिरिया, हाईस्कूल बैरागढ़, हाईस्कूल कुंडा छोटा, हाईस्कूल हीरापुर (चावरपाठा), शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखुपर में प्राचार्य पंचम सिंह झारिया एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया गया। शासकीय हाईस्कूल कमोद, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीचौका, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हौरी, पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खमरिया झांसीघाट में गांव के सरपंच श्री हरिशंकर ठाकुर, उपसरपंच चौधरी राजेश पटेल, एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों, शाला के छात्र- छात्राओं द्वारा आंवला, अशोक, नीम, नीबु, अमरूद, खिरनी, जामुन, मुनगा, आम आदि 82 पौधों का वृहद पौधारोपण किया गया। रानी अवंती बाई लोधी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोटेगांव में एकीकृत विद्यालय अमाड़ा, शासकीय सर्वोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरवारी में पौधारोपण किया गया। जिले के सभी शैक्षणिक संस्थाओं में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पीपल, बेलपत्र, गूलतर्री, आंवला, अशोक आदि पौधों का दैनिक जीवन में महत्व को समझाते हुए विद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा पौधारोपण किया गया एवं वायुदूत एप पर अपलोड किया गया।

प्रायवेट डॉक्टर पर गलत इलाज का आरोप

बैतूल। प्रायवेट डॉक्टर पर गलत इलाज करने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ने दूसरी बीमारी का इलाज किया जिसके कारण इंजेक्शन लगने के स्थान पर बच्चे को सूजन आ गई है। पीड़ित ने बच्चे का इलाज दूसरे डॉक्टर के यहां कराया। जिसमें उसको 15 हजार रुपए का खर्च आया है। जब पीड़ित पिता ने संबंधित डॉक्टर से शिकायत की तो उन्हें डॉक्टर ने धमकी दी जिसकी शिकायत उन्होंने कोतवाली में दर्ज कराई है। वहीं डॉक्टर ने आरोप खारिज करते हुए कहा कि उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा था और धमकी दी जा रही थी जिसकी शिकायत उन्होंने भी पुलिस से की है।

डॉक्टर पर यह लगाए आरोप – झारकुंड निवासी कुशल चौहान ने कोतवाली में दिए आवेदन में बताया कि 2 जुलाई को वे अपने बेटे योगेश्वर चौहान का इलाज कराने के लिए डॉक्टर अंतरिक्ष आजाद के यहां गए थे। डॉक्टर दंत रोग विशेषज्ञ हैं। डॉक्टर ने उनको बेटे पीड़ित ने कोतवाली थाने में की शिकायत को दो इंजेक्शन लगाए थे। जब बेटे को घर वापस ले गए तो उसकी हालत गंभीर हो गई जिसके बाद उसका इलाज दूसरे डॉक्टर के यहां कराया गया। इस इलाज के दौरान उनको 15 हजार रुपए का खर्च आया। इस मामले को लेकर कुशल चौहान डॉक्टर आजाद के यहां गए और उन्होंने पूरा मामला बताया तो उन्होंने धमकी दी। पीड़ित पिता ने पुलिस से मांग की है कि डॉक्टर के खिलाफ कार्यवाही की जाए जिन्होंने गलत इलाज किया है। डॉक्टर ने भी पुलिस को दिया आवेदन दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अंतरिक्ष आजाद ने बताया कि बच्चे को जबड़े में, छाती में और सिर में दर्द हो रहा था जिसके लिए मेरे द्वारा दर्द निवारण का इलाज किया गया। इसके बाद परिजनों ने इंजेक्शन लगने की जगह गर्म सिकाई कर दी। जिससे उसे सूजन आ गई। इसको लेकर बच्चे के पिता मेरे पास आए थे और मुझे ब्लैकमेल कर 10 हजार रुपए मांग रहे थे। मेरे साथ गाली गलौज भी की गई। उसी समय मैंने 100 डायल पर फोन किया तो वो क्लीनिक से चले गए। इसके बाद मैंने भी पुलिस में आवेदन दिया है। बच्चे को दी साइनस की समस्या बच्चे के पिता कुशल चौहान ने बताया कि योगेश्वर को साइनस की समस्या थी और उसे नाक बंद होने के कारण श्वांस लेने में दिक्कत होती थी। डॉक्टर आजाद के क्लीनिक के बाहर ईएनटी के इलाज का भी बोर्ड लगा है जिसके कारण वहां पर गए थे। जब डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाया और उसे घर लेकर आए तो उसे पैनिक अटैक आया था जिससे वह घबरा गया और उसे तत्काल दूसरे डॉक्टर के यहां ले जाकर इलाज कराया।

सादगी से विवाह संपन्न, एक अनोखी पहल

समाज के लिए प्रेरणा बनेगा यह अनूठा विवाह

बैतूल। वर्तमान समय में लोग दिखावे के लिए खर्चीली शादियों के चक्कर में कर्जा तक लेते हैं वही कानफोडू ध्वनि यंत्रों का उपयोग करते हैं जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। इस आडम्बर से दूर विकास नगर कॉलोनी में जेएच कॉलेज में प्राध्यापक डॉ.सुखदेव डोंगरे एवं शिक्षिका भागरती डोंगरे के निज-निवास में एक अनोखा विवाह संपन्न हुआ। जिसमें न डीजे, न बैंड बाजा, न पंडाल, न शामियाना, न सेहरा, न सूट-बूट, न लाइटिंग न घोड़ी, न बगगी, न मंडा, न पंडित, न बारात, न नाच गाना, न मैरिज लॉन और न रिंग सेरेमनी के सादगी के साथ डोंगरी दम्पत्ति की बेटी गुंजन डोंगरे का विवाह संस्कार 2017 में यूपीएससी उत्तीर्ण डॉ.राहुल गजभिये के साथ मात्र 50 परिजनों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विवाह परिजनों की उपस्थिति में भारतीय संविधान की शपथ लेकर संपन्न हुआ। यह विवाह कोरोना काल के विवाह की याद दिलाता है तथा भारतीय समाज के लिए एक नया रास्ता दिखाने का कार्य करेंगा। मौजूद लोगों ने डोंगरे परिवार की इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की है।

खेड़ी के नवनिर्मित अस्पताल में पड़ रही दरार, खिड़की के शीशे तोड़े

लोकार्पण तो हो गया लेकिन शुरू नही हुआ खेड़ी का सामुदायिक स्वास्थ केंद्र

बैतूल। जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम खेड़ी सावलीगढ़ में प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के नवनिर्मित भवन के आस पास अभी से दरार पड़ना शुरू हो गई है । वही अस्पताल की खिड़कियों के शीशे भी असामाजिक तत्व तोड़ रहे है। अस्पताल परिसर में दिन भर असामाजिक तत्वों का डेरा लगा रहता है करोड़ो रुपए की लागत से निर्मित इस अस्पताल भवन में सुरक्षा के नाम पर कोई व्यस्था नही है। वाहन पार्किंग में ट्रेक्टर और अन्य वाहन खड़े रहते है जिससे भवन की सुंदरता बिगड़ रही है अभी तो अस्पताल शुरू ही नही हुआ और निर्माण कार्य में खामियां दिखलाई दे रही है।

सामुदायिक स्वास्थ केंद्र को डॉक्टर्स का इंतजार– खेड़ीसावलीगढ़ में क्षेत्र के हजारों लोगो को आसानी से चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने सामुदायिक स्वास्थ केंद्र भवन का निर्माण करने के बाद, आनन फानन में क्षेत्रीय सांसद दू विधायक ने भवन का लोकार्पण भी कर दिया, लेकिन अब तक अस्पताल में चिकित्सा सेवाएं प्रारंभ नही की गई है। अब

ग्रामीण सवाल ये कर रहे है कि लोकार्पण को चार माह हो गए अब तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ नही हुआ। इस विषय में कोई भी ऐसा जिम्मेदार नही है जो अस्पताल को शुरू करने कार्यवाही करे। बहरहाल ग्रामवासी

राह देख रहे है जैसा भी हो अस्पताल की सेवा शुरू होने से क्षेत्र के ग्रामीणों और खेड़ीवासियों को इसका लाभ मिल सकेगा।

इनका कहना– अस्पताल शुरू होने में वक्त लग रहा है डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है जैसे ही डॉक्टर की भर्ती होगी। बजट आते ही अस्पताल शीघ्र ही शुरू होगा।

-रविकांत उइके,
सीएमएचओ बैतूल

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इंदौर में लगाया पौधा

बोले- एक पेड़ मां के नाम अभियान देश को प्रेरणा देगा; पार्षदों को दिए टिप्स

इंदौर (नप्र)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार 9 जुलाई को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में शामिल हुए। उन्होंने बिजासन फारेस्ट कैम्प में पौधरोपण किया। उनके साथ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, वन मंत्री नागरसिंह चौहान, विधायक रमेश मेंदोला भी मौजूद थे।

इससे पहले मंगलवार सुबह रेसीडेंसी में मीडिया से बात करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इंदौर अध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन की धरती है। जो हमेशा देश को प्रेरणा देता है। पीएम ने जलवायु परिवर्तन को चुनौती के रूप में देखा है। पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को पूरा विश्व अपना रहा है। इसी से हम पर्यावरण की चुनौतियों से लड़ पाएंगे। एक पेड़ मां के नाम एक सामाजिक आंदोलन है। इंदौर से शुरू हुआ यह अभियान देश के सभी गांव-शहर को प्रेरणा देगा।

एमआईसी सदस्यों की बैठक ली

बिरला नगर निगम के नए अटल परिषद हॉल में पार्षदों से मुखातिब हुए और सदन के संचालन, सवालों के प्रस्तुतिकरण संबंधी टिप्स भी दिए। लोकसभा स्पीकर बिरला ने कहा कि सदन में शोर शराब से कोई हल नहीं निकलता। जनता के हित की बातों को सदन में शान्ति से रख के उस पर चर्चा करना ही सही तरीका है। हमारी सभा कैसे चलती है। कैसे आम जनता की समस्या के मुद्दों पर बात हो रही है यह जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास बना रहा है। सभी माननीय सदस्यों का जनता से सीधा संवाद रहता है। और जनता यह उम्मीद रखती है कि उनकी समस्याओं को सदन में रखा जाए। लोकसभा अध्यक्ष लोक एमआईसी सदस्यों की बैठक के बाद रविंद्र भवन में आयोजित नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे रात को दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

समर्थन मूल्य पर किसानों को बोनस भुगतान के लिये 1000 करोड़ रूपये का बजट : खाद्य मंत्री राजपूत

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के बजट में 36 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस के भुगतान के लिए एक हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा है कि विभाग को गत वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक बजट मिला है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गए बजट में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। इससे विभागीय योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर- मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 89 लाख हितग्राहियों को निःशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये गए हैं।

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे हितग्राही जो प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभ से वंचित रह गये हैं, उन्हें राज्य सरकार की गैर उज्ज्वला योजना में शामिल किया गया है। इन दोनों योजनाओं के लिए 520 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

समिति विक्रेताओं के मानदेय में 3000 की वृद्धि- मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि पैक्स एवं लैम्प्स समिति के विक्रेताओं के मानदेय में 3 हजार रूपये की वृद्धि की जा रही है। इससे 13 हजार से अधिक विक्रेताओं को लाभ मिलेगा। इसके लिये बजट में 71 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू करेंगे

बजट में नवीन योजना के रूप में स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। योजना में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये सर्वर को अत्याधुनिक सुविधायुक्त बनाया जायेगा। इसके लिये 10 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। छात्रावासों में रहने वाले अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए बजट में 13 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्हें गेहूँ पर 4 रूपये किलो तथा चावल पर साढ़े पाँच रूपये प्रति किलो सब्सिडी दी जाऐगी। प्रदेश में 1 करोड़ 23 लाख पात्र परिवारों को हर माह 1 रूपये प्रति किलो में आयोडीन/आयरन युक्त डबल फोर्टीफाइड नमक का वितरण कर रहे हैं। इसके अलावा 33 जिलों के 57 लाख पात्र परिवारों को 1 रूपये प्रति किलो में डबल फोर्टीफाइड युक्त नमक का वितरण की योजना पर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना के तहत बजट में 15 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस व्यवस्था से हम 20 आदिवासी जिलों के 89 विकासखण्डों में 7 लाख 13 हजार परिवारों को मोबाइल वाहन द्वारा राशन का वितरण कर सकेंगे।

अनाधिकृत रूप से चिन्हित कॉलोनियों का सर्वे दल गठित

न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं को करेगा चिन्हित

भोपाल (नप्र)। गोविन्दपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से चिंन्हित कॉलोनियों का सर्वे करने के लिये दल गठित किया गया है। राजस्व, नगर निगम, पुलिस, एमपीईवी के अधिकारियों को दल में शामिल किया गया है। अधिकारियों का यह दल अनाधिकृत कॉलोनियों में सड़क, बिजली, पानी और सीवेज की सुविधा को प्राथमिकता से उपलब्ध करने के लिये पता लगायेगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने निवास कार्यालय पर हुई समीक्षा बैठक में दल के गठन के निर्देश दिये हैं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि गोविन्दपुरा क्षेत्र में 50 से अधिक अनाधिकृत रूप से चिन्हित कॉलोनियाँ है। इन कॉलोनियों में सड़क, बिजली, पानी और सिवेज जैसी मूलभूत सुविधाओं से इस कॉलोनियों के रहवासी वंचित है। बैठक में एसडीएम श्री एल.के. खरे सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्नी मायके से नहीं लौटी, युवक नदी में कूदा

पुलिस और गोताखोर एक घंटे ढूंढते रहे; वो थाने पहुंचकर बोला- मैं जिंदा हूं

राजगढ़ (नप्र)। राजगढ़ में राजस्थान का एक बाइक सवार युवक पुल से नेवज नदी में कूद गया। घटना का पता लगते ही पुलिस रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर पहुंची। कुछ घंटे बाद नदी में बाइक मिली, लेकिन युवक का कुछ पता नहीं चल सका।

घटना सोमवार रात करीब साढ़े 9 बजे की है। रेस्क्यू टीम नाव की मदद से बाइक सवार को खोजती रही, उधर युवक तैरकर बाहर निकला और थाने पहुंच गया। बोला- पुलिस मुझे ही नदी में खोज रही है, मैं तो जिंदा हूं। इसके बाद रेस्क्यू को बंद किया गया।

युवक का कहना है कि पत्नी मायके चली गई है। ससुरालवाले मुझे धमकाते हैं। बेटी से भी कहते हैं कि तेरा पति पागल है। पुलिस से भी शिकायत की, लेकिन वे मुझे भगा देते हैं। गोताखोर नाव की मदद से बाइक सवार को घंटों तक पानी में खोजते रहे।

युवक बोला- पत्नी दो साल पहले मायके गई, लौटी नहीं- अर्द्धनग्न हालत में थाने पहुंचे युवक ने बताया कि मेरा नाम विट्ठल तंवर (22) है। मैं राजस्थान के दांगीपुरा थाना क्षेत्र के हिनोतिया रोड़ान गांव का रहने वाला हूं। जब मैं छोटा था, तब मेरे घरवालों ने मेरी शादी कर दी थी। 5 साल पहले मेरे पिता जी का देहांत हो गया। पत्नी दो साल पहले अपने मायके गई, इसके बाद वापस नहीं लौटी। उसे लेने जाता हूं तो ससुराल वाले धमकाते हैं, उसे मेरे साथ नहीं भेजते हैं।

कई बार थाने गया, पुलिसवालों ने धक्का देकर भगाया- युवक ने बताया कि ससुराल वाले बोल रहे हैं कि फैसला कर लो। अपनी पीड़ा बताने के लिए मैं थाने पर 10 से ज्यादा बार आ चुका हूं, लेकिन पुलिस वाले भी मुझे धक्का देकर भगा देते हैं। वे भी कहते हैं, फैसला कर। मैंने अपनी फरियाद महिला थाने में भी सुनाई, लेकिन वहां पर भी मेरी नहीं सुनी गई। गोताखोरों ने नदी में गहरे पानी कई बार डुबकी लगाई। काफी खोजने के बाद बाइक मिली।

मामा ससुर आने से रोक रहे हैं... मेरे ससुर भेजना चाहते हैं, लेकिन मामा ससुर पत्नी को मेरे पास आने से रोक रहे हैं। पत्नी के घरवालों ने उसे सीखा दिया है कि तेरा पति तो पागल है। पिछले 6 महीने से इस बात को लेकर पत्नी विवाद कर रही है। वो मुझसे बात भी नहीं करना चाहती है।

युवक बोला- शर्ट बाइक में उलझी, धीरे-धीरे तैरकर निकला- युवक ने बताया कि मैं नदी में कूद तो गया, लेकिन पानी के भीतर जाते ही घबरा गया। शर्ट बाइक में उलझ गई थी, उसे फाड़कर बाइक को पानी में छोड़ा और धीरे-धीरे तैरते हुए में बड़ी मुश्किल से दूसरे किनारे पर पहुंचा। बाहर आया तो पेट में थोड़ा पानी भरा गया था। थोड़ी देर किनारे पर रुकने के बाद जैसे-तैसे वहां से पुल पर आया और फिर रेस्क्यू टीम के सामने से निकलकर कोतवाली थाने पहुंचा।

गोताखोरों को पानी में उतारा, लाइट की व्यवस्था की- कोतवाली थाना प्रभारी विजय सिंह ठाकुर ने बताया कि रात में एक युवक के बाइक समेत नदी में गिरने की सूचना मिली थी। इसके बाद गोताखोरों के साथ टीम मौके पर पहुंची। यहां दो गोताखोर नदी में कूदे और युवक को खोजा। उसकी बाइक नदी में मिली। इसके बाद रेस्क्यू टीम को नाव समेत वहां बुलाया गया। नदी के किनारे ही जनरेटर की मदद से लाइट की व्यवस्था की गई। करीब एक घंटे तक रेस्क्यू चला। इसी दौरान रात करीब साढ़े 9 बजे एक युवक अर्द्धनग्न हालत में थाने पर पहुंचा।

घर के सीक्रेट गोदाम में मिले दो भाइयों के शव

500 लीटर पेट्रोल छिपा रखा था
गैस से दम घुटने की आशंका

बोरदी कलां (सीहोर) (नप्र)। सीहोर के इछावर में घर में बने पानी के टैंक में दो सगे भाइयों की लाशें मिली हैं। पुलिस ने इस टैंक से 8 कैन में रखा करीब पांच सौ लीटर पेट्रोल भी बरामद किया है। आशंका है कि पेट्रोल से बनी गैस की वजह से दोनों का दम घुट गया। पुलिस ने बताया कि बोरदीकलां गांव में जयसवाल परिवार सीमेंट की दुकान चलाता है। परिवार में चार भाई- पंकज, नरेंद्र, राहुल और गोलू जयसवाल एक साथ रहते हैं। मंगलवार सुबह पंकज और नरेंद्र उठे थे तो राहुल और गोलू गायब थे। फोन लगाए तो रिंग घर में ही बजी। इसके बाद दोनों भाइयों की तलाश शुरू की गई। सीसीटीवी कैमरे खंगालने पर राहुल और गोलू देर रात करीब 3 बजे घर में ही बने पानी के टैंक में घुसते दिखे, लेकिन बाहर नहीं आए। पंकज और नरेंद्र तुरंत टैंक के पास गए। झांका तो राहुल (28) और गोलू (25) की लाशें दिखीं। मामले की जांच के लिए राजस्व विभाग की एक टीम भी मौके पर पहुंची है।

पानी के टैंक में बना रखा था सीक्रेट गोदाम

परिजन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा इंतजाम के साथ टैंक में उतरी। यहां डेढ़ फीट पानी के बीच 60-60 लीटर की 8 कैन में रखा करीब पांच सौ लीटर पेट्रोल मिला।

इछावर थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया, आशंका है कि दोनों भाई अवैध रूप से पेट्रोल की खरीद-फरोख्त का काम करते थे। रात में स्टॉक निकालने के लिए वे टैंक में घुसे होंगे, लेकिन पेट्रोल से बनी गैस की वजह से उनका दम घुट गया। उन्होंने कहा- एफएसएल टीम ने भी मौके की जांच की है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारण की पुष्टि हो पाएगी।

ऐसे अंडरग्राउंड टैंक में जानलेवा गैसें बनती हैं

आरजीपीवी में पेट्रोकेमिकल के एचओडी डॉ. प्रशांत शर्मा का कहना है कि वेंटिलेशन प्रॉपर न हो तो जमीन के अंदर बनाया गया कोई भी स्ट्रक्चर गैस चैंबर का काम करता है। इस चैंबर में पेट्रोल या किसी भी दूसरे ज्वलनशील पदार्थ को स्टोर किया जाता है तो कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी कई टॉक्सिक गैस बनने लगती हैं। इन गैसों के ग्रुप को नॉक्सेस कहा जाता है। इस तरह के चैंबर में व्यक्ति के दाखिल होने पर नॉक्सेस सांस लेने पर फेफड़े में पहुंचकर व्यक्ति के नर्वस सिस्टम को डैमेज कर देती हैं। इसमें पहले व्यक्ति बेहोशी का अहसास होता है। तत्काल चैंबर से बाहर नहीं निकलने पर संबंधित व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने माँ की स्मृति में पौधरोपण किया

भोपाल(नप्र)। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अभियान आज एक जन-आंदोलन बन गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने 5 करोड़ 50 लाख पौधरोपण का संकल्प लिया है। विगत दिनों भोपाल में एक दिन में रिकॉर्ड 12 लाख पौधे रोपे गए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में इंदौरवासियों ने 51 लाख पौधरोपण का संकल्प लिया है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह अभियान प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्यों को रेखांकित करता है, सेवा करने का अवसर प्रदान करता है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भोपाल में चार इमली स्थित निवास के सम्मुख अपनी माताजी की स्मृति में बरगद के पौधे का रोपण किया। उप-मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अभियान में सहभागिता कर पौधरोपण करने और उनका संरक्षण करने की अपील की है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के साथ सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह और अन्य जनप्रतिनिधियों ने पौधों का रोपण किया। बरगद, नीम, कदंब सहित अन्य पौधों का रोपण किया गया।

भोपाल की आदमपुर खंती की रिपोर्ट तैयार करेगा नीरी

कोर्ट ने 3 महीने का समय दिया; 21 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल के आदमपुर खंती के वैज्ञानिक निष्पादन के विषय में बड़ा फैसला हुआ है। वरिष्ठ पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष सी. पांडेय ने बताया, सुप्रीम कोर्ट की विशेष बेंच ने मंगलवार को खंती की वास्तविकता जांचने के लिए NEERI (नेशनल इन्वॉयरमेंटल इंजीनियरिंग रिचर्स इंस्टीट्यूट) को आदेश दिए हैं। 3 महीने में जांच कर रिपोर्ट देनी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 21 अक्टूबर 2024 को होगी। पर्यावरणविद् डॉ. पांडेय ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक आदेश से आदमपुर खंती के आसपास रहने वाले हजारों रहवासियों और ग्रामीणों को एक बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, उम्मीद भी जागी है कि अब आदमपुर और उसके आसपास का न केवल भूजल जहरीला होने से बच सकेगा, बल्कि अन्य जल संसाधनों एवं पास से गुजरी अजनाल नदी के पानी की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

नागपुर की संस्था है नीरी- आदेश के बाद एनईईआरआई यानी, नीरी जांच कर रिपोर्ट देगी। यह संस्था नागपुर की है। जांच और उस पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी से आदमपुर खंती में संचालित प्रोसेसिंग यूनिट्स की क्षमता भी बढ़ेगी। वहीं, सालों से पड़े कचरे के ढेर भी खत्म हो सकेंगे। इसके बाद आदमपुर खंती के चारों ओर ग्रीन बेल्ट विकसित होगा। पर्यावरणविद डॉ. पांडेय ने बताया कि अजनाल नदी भारत की पवित्र नदी गंगा की एक सहायक नदी है। इससे यह नदी भी प्रदूषण से मुक्त हो सकेगी। जिससे अंततः गंगा नदी को भी प्रदूषण मुक्त करने में उल्लेखनीय सफलता मिलेगी।

वर्ष 2018 से फेंका जा रहा कचरा

आदमपुर खंती में पूरे शहर का नगरीय कचरा वर्ष 2018 से फेंका जा रहा था। बार-बार उसमें आग लगाई जा रही थी, जिसे लेकर डॉ. पांडेय ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल भोपाल में वर्ष 2023 में नगर निगम भोपाल के विरुद्ध एक याचिका दायर की थी। जिसमें डॉ. पांडेय के तथ्यों को सही मानते हुए एनजीटी ने भोपाल नगर निगम पर 1 करोड़ 80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था, लेकिन नगर निगम ने उक्त मामले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देकर लगाए गए जुर्माने को माफ करने का अनुरोध किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में भी डॉ. पांडेय के तमाम वैज्ञानिक तथ्यों एवं प्रमाणों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट की विशेष बेंच ने संपूर्ण मामले की अधिक सूक्ष्म और निष्पक्ष जांच के लिए नीरी को आदेश दिए हैं।